संम्पूर्ण
NCERT सार
इतिहास
(History)
वन लाइनर
कक्षा - VI - XII

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन
कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण एवं आशीष गिरि
सम्पादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
फोन : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com
© All rights reserved with Publisher
प्रकाशन घोषणा
प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP YCT BOOKS, से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में पूर्ण सावधानी बरती गई है
फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव सादर आमंत्रित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय सूची

प्राचीन इतिहास

- भारत की प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ 4
- सिन्धु सभ्यता एवं संस्कृति 5
- ऋग्वैदिक एवं उत्तर-वैदिक काल 8
- छठीं शताब्दी ई.पू. की राजनीतिक दशा, महाजनपदों का उदय एवं मगध साम्राज्य 12
- मगध का उत्कर्ष 13

धार्मिक आन्दोलन

- जैन धर्म 13
- बौद्ध धर्म 15
- भगवत संप्रदाय एवं ब्राह्मण धर्म 18
- मौर्य साम्राज्य 19
- मौर्योत्तर कालीन भारत 23
- प्राचीन भारत पर विदेशी आक्रमण 24
- संगम युग (चेर, चोल, पाण्डय) 25
- दक्षिण भारत का इतिहास (चोल, चालुक्य, पल्लव) 25
- गुप्त काल 27
- गुप्तोत्तर काल 29
- प्राचीन भारत में स्थापत्य कला 31
- प्राचीन साहित्य एवं साहित्यकार 37
- पूर्व मध्य काल (800-1200 ई.) 41
- विविध 42
- राजपूत काल 44

मध्यकालीन इतिहास

- अरबों का आक्रमण एवं सिन्ध विजय 45
- मुहम्मद गोरी का आक्रमण एवं दिल्ली सल्तनत की स्थापना 45
- गुलाम वंश 46
- इल्तुतमिश एवं उसके उत्तराधिकारी 46
- बलबन एवं उसके उत्तराधिकारी 47
- खिलजी वंश 47
- तुगलक वंश 48
- सैय्यद एवं लोदी वंश 49
- सल्तनत कालीन प्रशासन, स्थापत्य एवं कला 50
- सल्तनत कालीन साहित्य एवं साहित्यकार 51
- विजयनगर, बहमनी तथा अन्य प्रान्तीय राजवंश 52
- भक्ति एवं सूफी आन्दोलन 54
- सल्तनत काल-विविध 56
- बाबर का आक्रमण एवं मुगल वंश की स्थापना 56
- हुमायूं एवं शेरशाह 57
- अकबर 58
- जहाँगीर एवं शाहजहाँ 60
- औरंगजेब 62
- उत्तरवर्ती मुगल 63
- मुगलकालीन प्रशासन, स्थापत्य एवं कला 64
- मुगलकालीन साहित्य एवं साहित्यकार 68
- शिवाजी एवं मराठा साम्राज्य 69
- मुगलकाल विविध 70

आधुनिक इतिहास

- मुगल साम्राज्य का पतन एवं यूरोपीय कंपनियों का आगमन 73
- स्वायत्त राज्यों का उदय-अवध, मैसूर, पंजाब एवं बंगाल 76
- आंग्ल-मराठा संघर्ष 80
- ईस्ट इण्डिया कंपनी और बंगाल के नवाब 81
- कंपनी की देशी राज्यों के प्रति नीतियाँ 81
- ब्रिटिश कालीन राजस्व एवं न्यायिक सुधार 82
- ब्रिटिश शासन का भारत पर आर्थिक प्रभाव 83
- 1857 का स्वतंत्रता संग्राम 84
- जनजातीय विद्रोह 87
- प्रारंभिक नागरिक एवं कृषक विद्रोह 87
- सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आन्दोलन 88
- आधुनिक भारत में शिक्षा एवं प्रेस का विकास 93
- भारत में समाचार पत्रों का विकास 95
- 1885 से पूर्व स्थापित राजनीतिक संस्थाएँ 95
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस-स्थापना, कार्य-प्रणाली एवं महत्वपूर्ण अधिवेशन 96
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का उदारवादी चरण-1885 से 1905 तक 99
- बंगाल विभाजन एवं स्वदेशी आन्दोलन 99
- कांग्रेस का सूरत विघटन एवं क्रांतिकारी आन्दोलन 100
- मुस्लिम लीग-गठन एवं कार्य प्रणाली 101
- दिल्ली दरबार और बंगाल विभाजन का निरस्तीकरण 102
- लखनऊ समझौता 103
- होमरूल आन्दोलन 103
- गाँधीवादी युग का प्रारंभ-दक्षिण अफ्रीका से रौलेट सत्याग्रह तक 103
- साम्यवादी आन्दोलन एवं क्रांतिकारी आन्दोलन 107
- जलियांवाला बाग 110
- खिलाफत/असहयोग आन्दोलन 111
- किसान आन्दोलन एवं मजदूर आन्दोलन 113
- भारत के बाहर क्रांतिकारी गतिविधियाँ 114
- स्वराज पार्टी का गठन 115
- साइमन कमीशन एवं नेहरू रिपोर्ट 115
- कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन एवं पूर्ण स्वराज 1929 116
- सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं दांडी मार्च 116
- गाँधी-इरविन समझौता, कराची अधिवेशन एवं गोलमेज सम्मेलन 117
- साम्प्रदायिक अधिनिर्णय एवं पूना समझौता 118
- कांग्रेस समाजवादी पार्टी 119
- प्रान्तीय चुनाव तथा मंत्रिमण्डलों का गठन 119
- कांग्रेस का त्रिपुरी अधिवेशन एवं फारवर्ड ब्लाक का गठन 119
- देशी रियासतों का संघर्ष 119
- द्वितीय विश्व युद्ध एवं राष्ट्रीय आन्दोलन-अगस्त प्रस्ताव, पाकिस्तान की मांग एवं व्यक्तिगत सत्याग्रह 120
- क्रिप्स मिशन एवं भारत छोड़ो आन्दोलन 120
- आजाद हिन्द फौज/सुभाष चन्द्र बोस 121
- कैबिनेट मिशन योजना, संविधान सभा एवं अंतरिम सरकार का गठन 122
- माउंटबेटन योजना, भारत का विभाजन एवं स्वतंत्रता 123
- भारत का संवैधानिक विकास 124
- आधुनिक भारत की महत्वपूर्ण संस्थाएं व उनके संस्थापक 126
- भारत के विभिन्न गवर्नर, गवर्नर जनरल एवं वायसराय 127
- विभिन्न पत्र/पत्रिकाएं, पुस्तकें एवं उनके लेखक/सम्पादक कथन, नारा उपाधियाँ एवं स्थापत्य 130
- स्वतंत्रता के बाद भारत 136
- विविध 137

विश्व इतिहास

इतिहास

प्राचीन इतिहास (Ancient History)

भारत की प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ	
■ ताँबे का पहली बार उपयोग किया गया था– **ताम्रपाषाण युग में**	UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-1
■ भीमबेटका की गुफाओं की खोज कब हुई थी– **1957-58**	RRB NTPC 14.03.2021 (Shift-II) Stage Ist
■ भीमबेटका के शैलाश्रय प्रसिद्ध है– **भारतीय उपमहाद्वीप पर मानव जीवन के प्राचीनतम चिहों की वजह से**	RRB NTPC 10.02.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ भारत में पाषाण कालीन शिला चित्रकारी पायी जाती है– **भीमबेटका में**	RRB NTPC 12.02.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ मानव गतिविधियों एवं सभ्यता के प्राक्-ऐतिहासिक काल का कालानुक्रम है– **पुरापाषाण काल, मध्यपाषाण काल, नवपाषाण काल**	RRB NTPC 11.02.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ मध्यपाषाणिक स्थलों को भौगोलिक दृष्टि से पश्चिम से पूर्व के क्रम है– **महदहा, लेखहिया, पैसरा, बीरभानपुर**	UPPCS RO/ARO (Mains) 2021
■ वह स्थल जहाँ से प्राचीनतम स्थायी जीवन के प्रमाण मिले हैं– **मेहरगढ़**	(UPPCS (Main) Spl. G.S. Ist 2008)
■ गंगा घाटी में धान की खेती का प्राचीनतम प्रमाण मिले है– **लहुरादेव**	(UPPCS (Pre) G.S. 2008)
■ मध्य पाषाणिक स्थल से पशुपालन के साक्ष्य उपलब्ध हुए हैं– **बागोर से**	BEO exam-2006 (I)
■ मध्यपाषाण काल में पशु पालन के प्रमाण मिलते हैं– **लेखनियाँ में**	UPPCS (Pre) 2018
■ मध्य पाषाणिक प्रसंग में पशुपालन के प्रमाण मिले है– **आदमगढ़**	(UPPCS (Pre) Spl. G.S. 2008)
■ उत्खनित प्रमाणों के अनुसार पशुपालन प्रारम्भ हुआ था– **मध्य पाषाण काल**	UPPCS (Main) G.S.-2006
■ मृत्यात्ररहित नवपाषाणिक स्तर प्रकाश में आया है– **गुफ्कराल से**	BEO exam-2006 (I)
■ खाद्यान्नों की कृषि सर्वप्रथम प्रारम्भ हुई थी– **नव-पाषाण काल**	UPPCS (Main) G.S. Ist, 2005
■ नवपाषाण कालीन गर्त-निवासों के अवशेष मिले थे– **बुर्जहोम, गुफ्कराल**	(UPPCS (Main) G.S. Ist 2011)
■ राख का टीला नवपाषाणिक स्थल से सम्बन्धित है– **संगन कल्लू**	UPPCS (Main) G.S. Ist Paper 2009
■ भारतीय उपमहाद्वीप में धान की खेती के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त होते हैं– **विन्ध्य क्षेत्र**	(UP UDA/LDA Spl. - 2006)
■ मानव द्वारा सर्वप्रथम प्रयुक्त अनाज था– **जौ**	(UPPCS (Pre) G.S. 1997)
■ वस्त्रों के लिए कपास की खेती का आरम्भ सबसे पहले किया– **भारत**	(UPPCS (Pre) G.S. 2006)
■ वृहद पाषाण स्मारकों की पहचान की गई– **मृतक को दफनाने के स्थानों के रूप में**	UPPCS (Main) G.S. Ist, 2005
■ एक ही कब्र से तीन मानव कंकाल निकले हैं– **दमदमा**	(UPPCS (Pre) G.S. 2016)
■ विन्ध्य क्षेत्र के वह शिलाश्रय जहाँ से सर्वाधिक मानव कंकाल मिले हैं– **लेखहिया**	(UPPCS (Pre) G.S. 2016)
■ भारत में वह शिलाश्रय जहाँ से सर्वाधिक चित्र प्राप्त हुए– **भीमबेटका**	(UPPCS (Pre) G.S. 2008)
■ ताम्रपाषाणिक स्थल नवदाटोली अवस्थित है– **मध्य प्रदेश**	(UPPCS (Main) G.S. Ist 2009)
■ गैरिक मृद्भाण्ड पात्र (ओ.सी.पी.) का नामकरण हुआ था– **हस्तिनापुर**	(UPPCS (Main) G.S.-2006)
■ भारत का वह स्थल जहाँ खुदाई से लौह धातु के प्रचलन के प्राचीनतम प्रमाण मिले हैं– **अतरंजीखेड़ा**	(UPPCS (Pre) G.S. 1998)
■ ताम्राश्म काल में महाराष्ट्र के लोग मृतकों के शरीर को फर्श के नीचे रखकर दफनाते थे– **उत्तर से दक्षिण की ओर**	UPPCS (Pre) G.S. 1997
■ कोपेनहेगन संग्रहालय की सामग्री से पाषाण, कांस्य और लौह युग का त्रियुगीय विभाजन किया था– **थॉमसन**	(UPPCS (Pre) G.S. 2010)
■ भारत में प्रथम पुरापाषाणिक उपकरण की खोज करने वाले रॉबर्ट ब्रूस फूट थे एक– **भूगर्भ-वैज्ञानिक**	(UP Lower (Pre) 2015)
■ ताम्रपाषाणिक स्थल नवदाटोली का उत्खनन किया था– **एच.डी. सांकलिया**	(UP Lower (Pre) Spl. 2008)
■ भीम बेटका की गुफाएँ प्रसिद्ध हैं– **शैल चित्र के लिए**	UPPSC AE-2011

■ दमदमा नामक पुरास्थल सम्बन्धित है– **मध्य पाषाण काल से**	UPPSC AE-2013
■ भीमबेटका, पुरापाषाण काल का एक प्रसिद्ध स्थल, भारतीय राज्य में स्थित है– **मध्य प्रदेश**	SSC CGL (Tier-II) – 02/03/2023
■ प्राचीन भारतीय इतिहास के काल में मिट्टी के बर्तनों का पता लगाया गया था– **नवपाषाण**	SSC JE Electrical 09/10/2023 (Shift-III) SSC Selection Posts XI– 28/06/2023 (Shift-IV)
■ पूर्व-ऐतिहासिक स्थल, मिट्टी की सतहों पर खुर के निशान (hoof-marks) के रूप में मवेशियों के पालन का पुरातात्विक प्रमाण प्रदान करता है– **महगड़ा**	SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-II
■ प्रारम्भिक मनुष्यों द्वारा उपयोग किये जाने वाले माइक्रोलिथ्स थे– **पत्थर के औजार**	SSC MTS 06/10/2021 (Shift-I)
■ भारत में पुरातात्विक महत्व का एक पुरापाषाण स्थल है– **हुनासागी**	SSC MTS 06/10/2021 (Shift-II)
■ सेल्ट (celt) एक नवपाषाणकालीन हैं– **एक उपकरण**	SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-I)
■ प्रागैतिहासिक काल के पहले युग को कहा जाता है– **पुरापाषाण काल**	SSC GD 01/03/2019 (Shift-II)
■ पुरातात्विक स्थल पर गर्त-आवासों के प्रमाण हैं– **बुर्ज़होम**	SSC CPO-SI – 11/12/2019 (Shift-I) SSC CHSL (Tier-I) –09/07/2019 (Shift-III)
■ मेहरगढ़, नवपाषाण काल की बस्ती, पाकिस्तान के ..... प्रांत में स्थित है– **बलूचिस्तान**	SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-II)
■ पुरातात्विक स्थल इनामगाँव स्थित है– **महाराष्ट्र में**	SSC MTS 09/08/2019 (Shift-III)
■ पुरातत्व स्थल कोल्डिहवा स्थित है– **उत्तर प्रदेश में**	SSC MTS 13/08/2019 (Shift-III)
■ प्रागैतिहासिक भारतीय स्थल पर 'होमो इरेक्टस' मानव की खोपड़ी पाई गई थी– **हथनोरा**	SSC CPO-SI – 12/12/2019 (Shift-II)
■ सही सुमेलित है- **(पुरातात्विक स्थल)** **(वर्तमान स्थान)** नेवासा - महाराष्ट्र ईसमपुर - कर्नाटक डीडवाना - राजस्थान गुडियाम गुफा - तमिलनाडु	UPPCS (Pre) 2023

सिन्धु सभ्यता एवं संस्कृति

■ हड़प्पा के एक बन्दरगाह का नाम है– **लोथल**	UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-II UPPSC AE 2008
■ दधेरी एक परवर्ती हड़प्पीय पुरास्थल है – **पंजाब**	(UPPCS (Main) Ist Paper GS, 2014)
■ सिंधु सभ्यता में निर्यात किया जाता था– **सूती वस्त्र**	UPSI, 1999
■ हड़प्पा सभ्यता के दौरान डांसिंग गर्ल (नर्तकी) की कांस्य प्रतिमा बनाने के लिए ..... तकनीक का इस्तेमाल किया गया था– **मोम लोपी ढलाई (कास्टिंग)**	UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-I
■ हड़प्पाकाल का वह नगर जो तीन भागों में विभाजित था– **धौलावीरा**	UPSSSC Computer Operator 10/01/2020
■ सिन्धु घाटी की सभ्यता से सम्बन्धित स्थल नहीं है– **पाटलिपुत्र**	जूनियर इंजीनियर/तकनीकि - 27-12-2015
■ 'मोहनजोदड़ो' शब्द का अर्थ है– **माउंड ऑफ द डेड (मृतकों का टीला)**	ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (Shift- I) RRB NTPC 05.04.2021 (Shift-II) Stage Ist
■ कपास का उत्पादन करने वाले पहले थे– **सिंधु लोग**	ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (Shift- I)
■ हड़प्पा सभ्यता के एक हिस्से, लोथल की खुदाई की खोज की थी– **एस आर राव ने**	ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (Shift- II)
■ सिंधु सभ्यता में घोड़े की अस्थियों का अवशेष मिला– **सुरकोटदा में**	लोअर द्वितीय- 06-03-2016
■ सिंधु घाटी सभ्यता के समय में शिल्प निर्माण के लिए सीप प्राप्त किए जाते थे– **नागेश्वर से**	RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-II)
■ सिंधु घाटी सभ्यता का ..... स्थल पंजाब (भारत) में स्थित है– **रोपड़**	RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 Shift-I)
■ हड़प्पा की अधिकांश मानक मुहरें ..... नामक एक प्रकार के मुलायम पत्थर से बनी होती थीं, जो 2×2 विमा के साथ वर्गाकार आकृति का होता था, तथा जिसका उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जाता था– **स्टिएटाइट**	RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-III)

■ धौलावीरा ..... राज्य में स्थित है– **गुजरात**	RRB NTPC 15.03.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ धौलावीरा, एक पुरातात्विक स्थान, किस समयावधि से जुड़ी हुई है– **सिंधु घाटी सभ्यता**	RRB NTPC 12.04.2016 (Shift-II) Stage Ist
■ मोहनजोदड़ो में पाया गया विशाल स्नानागार एक विशाल _____ था– **आयताकार टैंक**	RRB NTPC 19.03.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ वर्ष 1920-21 के आस-पास नदी के किनारे खुदाई के दौरान हड़प्पा शहर मिला– **रावी**	RRB NTPC 12.03.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ मोहनजोदड़ो स्थित है– **सिंध**	RRB NTPC 02.03.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ हड़प्पा सभ्यता का ..... शहर विशिष्ट रूप से मनके बनाना, सीप काटना, धातु की वस्तुएं बनाना, मुहर बनाना और तराजू का निर्माण करना आदि कार्यों सहित शिल्प उत्पादन के लिए समर्पित था– **चन्हुदड़ों**	RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-II) Stage Ist
■ सिंधु घाटी सभ्यता के ..... स्थल को सबसे पहले खोजा गया था– **हड़प्पा**	RRB NTPC 18.01.2021 (Shift-II) Stage Ist
■ पत्थर की बनी नृत्य करते हुए पुरुष की मूर्ति, 'नटराज' पाई गई थी– **हड़प्पा**	RRB NTPC 13.01.2021 (Shift-II) Stage Ist
■ हड़प्पा स्थल गुजरात में पाया गया है– **धौलावीरा**	RRB NTPC 05.02.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ सिंधु सभ्यता के ..... स्थलों में जलाशयों के साक्ष्य मिले हैं– **धौलावीरा**	RRB NTPC 01.04.2021 (Shift-II) Stage Ist
■ पुरातात्विक स्थल 'सुरकोटदा' स्थित है– **गुजरात राज्य में**	RRB NTPC 03.03.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ 1944 में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक के रूप में ..... ने पदभार संभाला और हड़प्पा की खुदाई का जिम्मा लिया– **सर मोटिंग व्हीलर**	RRB NTPC 17.01.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ प्रसिद्ध सिंधु घाटी स्थल मोहनजोदड़ो की पहली बार खुदाई प्रख्यात भारतीय पुरातत्वविद् द्वारा की गई थी– **आर.डी. बनर्जी**	RRB NTPC 17.01.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ सिंधु घाटी सभ्यता ..... वर्ष पुरानी है और दक्षिण में गंगा घाटी के निचले क्षेत्रों व उत्तर में मालवा तक फैली हुई थी– **3000 ईसा पूर्व**	RRB Group-D 27-11-2018 (Shift-III)
■ _____ का विकास 5000 बी. सी. से मालवा के दक्षिण की ओर एवं उत्तर की ओर गंगा घाटी के पूरे तलहटी क्षेत्र में हुआ– **सिन्धु घाटी सभ्यता**	RRB Group-D 24-09-2018 (Shift-II)
■ हड़प्पा सभ्यता 2500 बी.सी. के आस-पास विकास किया था आज उन्हें हम कहते हैं– **पश्चिमी भारत और पाकिस्तान**	RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-III) Stage Ist
■ भारत का इतिहास सिंधु घाटी सभ्यता के जन्म से शुरू होता है, जो लगभग _____ अस्तित्व में आयी थी– **2500 ईसा पूर्व**	RRB Group-D 03-12-2018 (Shift-II)
■ सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता थी– **ईंट के बने भवन**	RRB NTPC 05.04.2016 (Shift-III) Stage Ist
■ सिन्धु घाटी सभ्यता है– **कांस्य-युगीन सभ्यता**	RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-III) Stage Ist
■ सिंधु सभ्यता के लोग ..... बनाने के लिए तांबे और टिन को मिश्रित करते थे– **कांस्य**	RRB Group-D 10-12-2018 (Shift-III)
■ 'मोहनजोदड़ो' नाम का अर्थ ..... में 'मुर्दों का टीला' है– **सिंधी**	RRB Group-D 28-11-2018 (Shift-I)
■ सिंधु घाटी सभ्यता के लोग ..... की पूजा करते थे– **पशुपति**	RRB ALP & Tec. (13-08-18 Shift-I)
■ जर्मनी और इटली के पुरातत्वविदों के एक दल ने मोहनजोदड़ो में सतह-अन्वेषण शुरू किया था– **1980 में**	RRB NTPC 15.02.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ हड़प्पा सभ्यता की मुहरों पर ..... पशु अक्सर देखा जाता था– **बैल**	RRB NTPC 18.01.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ नर्तकी' (डांसिंग गर्ल) की कांस्य प्रतिमा सिंधु घाटी स्थल से खोज़ी गई थी– **मोहनजोदड़ों**	UPSI 22.11.2021 Shift-III
■ प्राचीन भारतीय संस्कृति और सभ्यता के प्रतीक के अवशेष पाकिस्तान में है– **हड़प्पा, मोहनजोदड़ो**	UPP Com. Operator. 19-05-2016 (Shift-II)
■ सिंधु घाटी सभ्यता में समाज की प्रकृति थी– **नगरीय**	UPSI, 1999
■ हड़प्पा सभ्यता से जल संरक्षण के साक्ष्य मिले हैं– **धौलावीरा**	UPPCS (J) 2023
■ हड़प्पीय पुरास्थल 'बनावली' स्थित है– **रंगोई नदी पर**	UPPSC GIC 2021
■ हड़प्पा सभ्यता का स्थल माण्डी, भारत के किस राज्य में स्थित है– **उत्तर प्रदेश**	UPPCS (Pre) Exam 2021
■ सिन्धु घाटी की सभ्यता के पुरास्थल से नाव के चित्र या मॉडल प्राप्त हुये हैं– **मोहनजोदड़ों एवं लोथल**	UPPCS (Pre) Exam 2022

■ मोहन जोदड़ो से प्राप्त 'पशुपति शिव' की प्रसिद्ध मुहर पर किस पशु का अंकन नहीं है– **साँड**	UPPSC ACF/RFO 2021 Mains GS Paper-I
■ हड़प्पा संस्कृति के पूर्वी-सीमांत का निर्धारण करता है- **आलमगीरपुर**	UPPCS (Pre) 2023
■ मृण-पट्टिका पर उत्कीर्ण सींगयुक्त देवता की कृति प्राप्त हुई है– **लोथल**	UP Lower (Pr) Spl. 2008
■ हाथीं दाँत का पैमाना हड़प्पीय संदर्भ में मिला है– **लोथल**	UP RO/ARO (M) 2014
■ हड़प्पा का उत्खनन करने वाला प्रथम पुरातत्वविद् जो इसके महत्व को समझ पाया था– **सर जॉन मार्शल**	UPPCS (Main) G.S.-2006
■ 'सिन्धु सभ्यता' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किया था– **सर जॉन मार्शल**	(UP UDA/LDA Spl. - 2006)
■ सिंधु घाटी की सभ्यता पर प्रकाश डालता है– **पुरातत्व संबंधी खुदाई**	UPPCS (Pre) G.S. 1993
■ सिन्धु सभ्यता से सम्बन्धित केन्द्र जो उत्तर प्रदेश में स्थित है– **आलमगीरपुर एवं हुलास**	UPPCS (Pre) 2018
■ हड़प्पा सभ्यता स्थल लोथल स्थित है – **गुजरात**	UPPCS (Main) G.S. Ist, 2008
■ हड़प्पीय संस्कृति के संदर्भ में शैलकृत स्थापत्य के प्रमाण मिले हैं– **धौलावीरा**	UPPCS (Pre) G.S. 2006
■ एक जुते हुए खेत की खोज की गई थी– **कालीबंगा**	UPPCS (Main) G.S. Ist 2005
■ भारत का सबसे बड़ा हड़प्पन पुरास्थल है– **राखीगढ़ी**	UPPCS (Main) Spl. G.S. 2004
■ अधिसंख्य हड़प्पा स्थल स्थित हैं– **सिन्धु घाटी**	UP UDA/LDA Spl. - 2006
■ मूर्ति पूजा का आरम्भ माना जाता है– **पूर्व आर्य (Pre Aryan)**	UPPCS (Pre) G.S. 1992
■ हड़प्पा संस्कृति की जानकारी का प्रमुख स्रोत है– **पुरातात्विक खुदाई**	UPPCS (Pre) G.S. 1996
■ अवेस्ता और ऋग्वेद में समानता है। अवेस्ता, क्षेत्र से सम्बन्धित है– **ईरान**	(UP Lower (Pre) 2004)
■ भारत में कपास की खेती का सबसे पहला साक्ष्य प्राप्त हुआ है– **मेहरगढ़**	UPPSC AE- 2007 Paper (I)
■ हड़प्पा का वह स्थान जहाँ पर मिट्टी के हल की आकृति मिली है– **बनावली**	UPPSC AE- 2007 Paper (I)
■ वह स्थान (स्थल) जहाँ से शवपेटिका (ताबूत) के प्रमाण मिले हैं– **हड़प्पा**	UPPSC AE- 2007 Paper (I)
■ भारत में स्वतंत्रता के बाद सर्वाधिक संख्या में हड़प्पीय स्थलों की खोज हुई है– **गुजरात में**	UPPSC AE- 2007 Paper (II)
■ ..... स्थान पर पुरातत्वविदों को पाँच जंगली कुत्तों और बारहसिंगों के सींग के अवशेष प्राप्त हुए हैं– **बुर्ज़होम**	SSC CPO-SI – 12/12/2019 (Shift-II)
■ 'जोर्वे कल्चर' एक चालकोलिथिक पुरातात्विक स्थल था, जो वर्तमान समय में भारतीय राज्य में स्थित है– **महाराष्ट्र**	SSC CGL (Tier-I) – 11/06/2019 (Shift-I)
■ जम्मू-कश्मीर में पुरातात्विक महत्व का स्थल है– **बुर्जहोम**	SSC MTS 02/11/2021 (Shift-I)
■ सिंधु घाटी सभ्यता के ..... शहर में एक बन्दरगाह पाया गया है– **लोथल**	SSC CHSL (Tier-1) – 21/03/2023 (Shift-II)
■ 1948 में, अर्नेस्ट मैके ने उल्लेख किया कि हड़प्पा शहर, लोथल में, जल निकासी व्यवस्था के लिए नालियों को _____ ईंटों से बनाया गया था– **पकी**	SSC Selection Posts XI– 28/06/2023 (Shift-IV)
■ सिंधु घाटी सभ्यता के ..... स्थल में 'द ग्रेट बाथ' (विशाल स्नानागार) पाया गया था– **मोहनजोदड़ो**	SSC MTS/Havaldar– 06/07/2022 (Shift-II)
■ हड़प्पा सभ्यता का ..... स्थल अफगानिस्तान में स्थित है– **शोर्तुघई**	SSC MTS 12/10/2021 (Shift-III)
■ मोहनजोदड़ों में मिले 'महास्नानागार' को ------ की परत चढ़ाकर जलरोधी बनाया गया था– **प्राकृतिक चारकोल**	SSC GD 02/12/2021 (Shift-II)
■ लगभग 2500 साल पहले सिंधु नदी को ईरानियों द्वारा -----कहा जाता था– **हिन्दोस**	SSC MTS 06/10/2021 (Shift-I)
■ दैमाबाद नामक प्रागैतिहासिक स्थल ..... राज्य में स्थित है– **महाराष्ट्र**	SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-I
■ ..... शहर हड़प्पा सभ्यता से संबंधित है– **धौलावीरा**	SSC MTS 20/10/2021 (Shift-III)
■ हड़प्पा सभ्यता के लोगों को वर्तमान राजस्थान वाले क्षेत्र से धातु मिली थी– **तांबा**	SSC MTS 27/10/2021 (Shift-II)
■ हड़प्पा सभ्यता में खुदाई से टेराकोटा हल मॉडल (terracotta models of the plough) ..... मिले थे– **बनवाली में**	SSC CHSL 09/08/2021 (Shift-II) SSC JE Civil - 29/01/2018 (Shift-II)
■ 1990 में धौलावीरा में खुदाई शुरु की थी– **रवीन्द्र सिंह विष्ट ने**	SSC CHSL 12/08/2021 (Shift-II)
■ धौलावीरा और लोथल की प्राचीन हड़प्पा बस्तियाँ वर्तमान भारतीय राज्य _____ में स्थित है– **गुजरात**	SSC GD 03/12/2021 (Shift-I)
■ हड़प्पा स्थल पर ..... में हलरेखाओं (Furrow) के निशान खोजे गए थे– **कालीबंगा**	UPPCS (Mains) Spl G.S. 2004 SSC GD 22/11/2021 (Shift-I)
■ मेसोपोटामियन भाषा नहीं थी– **सुमेरियन**	SSC GD 17/11/2021 (Shift-I)
■ हड़प्पा सभ्यता के ..... स्थल पाकिस्तान में स्थित नहीं है– **शोरतुगई**	SSC MTS 12/10/2021 (Shift-I)

■ हड़प्पाकालीन स्थल रंगपुर भारत के राज्य में स्थित है– **गुजरात**	SSC GD 10/12/2021 (Shift-I)
■ सिंधु घाटी सभ्यता के घरों में कमरे आम तौर पर एक_____के आस-पास बने होते थे– **आंगन**	SSC GD 08/12/2021 (Shift-II)
■ हड़प्पा संस्कृति की अग्नि वेदियाँ पाई गई थीं– **लोथल**	SSC GD 14/12/2021 (Shift-II)
■ अनेक विद्वान ऐसा मानते हैं कि टिगरिस-यूफ्रेट्स घाटी के मेसोपोटामियाई लोग, सिंधु घाटी सभ्यता को ____ कहते थे– **मेलुहा**	SSC GD 10/12/2021 (Shift-II)
■ हड़प्पा सभ्यता के अन्य शहरों के विपरीत, धोलावीरा शहर को ____ भागों में विभाजित किया गया था, प्रत्येक भाग विशाल पत्थर की दीवारों से घिरा हुआ था– **तीन**	SSC GD 01/12/2021 (Shift-III)
■ ..... हड़प्पा स्थल हरियाणा में है– **राखीगढ़ी**	SSC CGL (Tier-I) 12/04/2022 (Shift-I)
■ हड़प्पा सभ्यता की प्रसिद्ध 'नृत्य करती हुई लड़की' (dancing-girl) _____की सामग्री का उपयोग करके बनाई गई थीं– **काँसा**	SSC JE Civil 30.10.2020 (Shift-I)
■ सिंधु सभ्यता का पुरातात्विक स्थल दैमाबाद ..... नदी के तट पर स्थित है– **प्रवरा**	SSC JE Civil 30.10.2020 (Shift-II)
■ ..... हड़प्पा स्थल भारत में स्थित है– **दैमाबाद**	SSC JE Mechanical – 23/03/2021 (Shift-II)
■ सिंधु घाटी सभ्यता का ..... स्थल, सिंधु नदी के तट पर स्थित नहीं है– **रोपड़**	SSC CHSL 20/10/2020 (Shift-I)
■ राजस्थान राज्य में स्थित एक परिपक्व-चरण हड़प्पा स्थल है– **कालीबंगा**	SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-I)
■ हड़प्पाकालीन स्थल से जुताई वाले क्षेत्र के साक्ष्य मिले हैं– **कालीबंगा**	SSC CHSL (Tier-I) –10/07/2019 (Shift-I)
■ सिंधु के पूर्व के क्षेत्र को संदर्भित करने के लिए छठीं-पाँचवीं शताब्दी बीसीई (BCE) में पुराने फारसी शब्द ..... का उपयोग किया जाता था– **हिन्दू**	SSC JE Mechanical – 22/03/2021 (Shift-II)
■ सही सुमेलन है– **सूची-I** **सूची-II** **(हड़प्पा पुरास्थल)** **(फसल)** चान्हूदड़ो सरसों हड़प्पा तिल कुन्ताशी कोदो हुलास धान	UPPCS (J) 2023

ऋग्वैदिक एवं उत्तर-वैदिक काल

■ 'उपनयन समारोह' से तात्पर्य है– **बच्चे को पवित्र जनेऊ धारण कराया जाता है**	गन्ना पर्यवेक्षक - 03-07-2016 (Paper-I)
■ वैदिक काल में स्त्रियों की स्थिति थी– **उच्च**	UPSI, 1999
■ चार वेदों में प्रथम वेद है– **ऋग्वेद**	UPSI, 1999
■ भारत में मूर्ति पूजा शुरू हुई थी– **आर्यों के काल से पूर्व ही**	UPSI, 1999
■ पूर्व वैदिक काल में समाज के विभाजन का आधार था– **पेशा**	UPSI, 1999
■ 'सत्यमेव जयते' शब्द लिया गया है– **मुण्डक उपनिषद से**	UPP Com. Operator. (Grade-A), 2013
■ सबसे पुराना हिन्दू महाकाव्य है– **रामायण**	UPSI (Pre), 2011
■ भारत में मूर्ति पूजा प्रारंभ होने के लगभग से संकेत हैं– **आर्यों के काल से**	UPSI, 2001
■ आर्यों के दर्शन और सिद्धांतों की व्याख्या करता है– **उपनिषद्**	UPSI, 2001
■ वह सामाजिक प्रथा जो केवल ऋग्वैदिक काल की प्रतीक (symbolic) है– **दहेज प्रथा**	UPSI, 2001
■ वैदिक काल में वह अनाज जिसके लिये 'व्रीहि' शब्द का प्रयोग किया जाता था– **चावल**	UPSI Batch-3, 21 Dec 2017
■ 'सत्यमेव जयते' महावाक्य उद्धृत है– **मुंडकोपनिषद् से**	गन्ना पर्यवेक्षक - 03-07-2016 (Paper-I)
■ वेदों के गद्य प्रकरण कहलाते हैं– **ब्राह्मण**	कनिष्ठ सहायक - 31-05-2015
■ 'ज्ञान' के सिद्धान्त पर बल देता है– **उपनिषद्**	स्टेनोग्राफर - 26-07-2015
■ ऋग्वेद में ..... देवता की सर्वाधिक महत्ता का वर्णन है– **इंद्र**	स्टेनोग्राफर - 26-07-2015
■ प्राचीनतम वेद है– **ऋग्वेद**	कनिष्ठ सहायक - 31-05-2015
■ वह भारतीय पुरातन ग्रंथ जिसमें अपराध और अपराधी का जिक्र आता है– **अर्थशास्त्र, मनुस्मृति, न्यायमीमांसा**	स्टेनोग्राफर - 26-07-2015
■ शतपथ ब्राह्मण और तैत्तिरीय ब्राह्मण.....के ब्राह्मण मूलपाठ हैं– **यजुर्वेद**	राजस्व लेखपाल - 13-09-2015 (Morning)

■ ऋग्वेद में निहित गायत्री मन्त्र समर्पित है– **सविता को**	UDA/LDA 29-11-2015
■ सर्वाधिक प्राचीन पुराण है– **मत्स्य पुराण**	वन रक्षक - 11-12-2015
■ उपवेद नहीं है– **योगवेद**	लोअर तृतीय - 26-06-2016
■ वैदिक देवता इन्द्र के देवता हैं– **वर्षा व चक्रवात के**	जूनियर इंजीनियर/तकनीकी- 31-07-2016
■ वृहदारण्यक, मुंडक और तैत्तिरीय ..... श्रेणी के धार्मिक ग्रंथों के उदाहरण हैं– **उपनिषद**	RRB Group-D – 06/10/2022 (Shift-II)
■ हिन्दू धर्म में, ... देव को ''पौधों के स्वामी'', रोगों के उपचारक और धन के दाता माना जाता है– **सोम**	RRB Group–D 29/08/2022 (Shift–I)
■ हिंदू धर्म की प्रमुख दार्शनिक विचारधारा है– **वैशेषिक दर्शन**	RRB Group–D : 30/08/2022 (Shift II)
■ ..... को 'कर्मकांड ग्रंथ' के रूप में जाना जाता है– **यजुर्वेद**	RRB Group-D – 02/09/2022 (Shift-I)
■ यजुर्वेद की शाखाएं हैं– **2**	RRB Group-D – 13/09/2022 (Shift-III)
■ वैदिक ग्रंथों के अनुसार, 'संग्रहित्री' का कार्य था– **कोषाध्यक्ष/खजांची का**	RRB Group-D – 22/09/2022 (Shift-II)
■ हिन्दू धर्म में, ... देवता को सृजनकर्त्ता माना जाता है– **ब्रह्मा**	RRB Group-D– 29/08/2022 (Shift-III)
■ ऐतरेय उपनिषद, ---- के ऐतरेय आरण्यक की दूसरी पुस्तक के चौथे, पांचवें और छठे अध्याय से संबंधित है, और इसे सबसे पुराना उपनिषद माना जाता है– **ऋग्वेद**	RRB Group-D – 23/08/2022 (Shift–II)
■ ऋग्वेद चार वेदों में से पवित्रतम वेद है, जिसमें **10,600** ऋचाओं के _____ सुक्तों के **10** अध्याय (जिन्हें मंडल कहा जाता है) शामिल हैं– **1,028**	RRB Group-D – 26/08/2022 (Shift–II) RRB Group-D – 13/09/2022 (Shift-II)
■ ..... में ऋचाओं की संख्या सर्वाधिक है– **ऋग्वेद**	RRB Group-D – 02/09/2022 (Shift-II)
■ चारों वेदों में से सबसे पुराना और सबसे बड़ा वेद है– **ऋग्वेद**	RRB Group-D – 16/09/2022 (Shift-II)
■ प्रारंभिक हिंदू दर्शन में जीवन के ..... चरण निर्धारित किए गए हैं– **चार**	RRB Group-D – 30/08/2022 (Shift–III)
■ चारों वेदों में से ..... वेद को 'यज्ञ' सूत्रों के वेद के रुप में जाना जाता है, जिसमें समान उद्देश्य के लिए इच्छित छंदों के साथ -साथ विभिन्न संस्कारों के लिए अपनाएं जानें वाले गद्य सूत्र भी शामिल है– **यजुर्वेद**	RRB Group-D – 29/09/2022 (Shift–III)
■ उपनिषद शब्द में 'उप' शब्द दर्शाता है– **निकटता**	RRB Group-D – 17/08/2022 (Shift–III)
■ ऋग्वेद के स्तोत्रों को _____ के रूप में भी जाना जाता है– **सूक्त**	RRB Group-D – 06/09/2022 (Shift–I)
■ ..... वेद को ''गीत की पुस्तक'', ''मंत्रों का वेद'' या ''गीत का योग'' भी कहा जाता है– **सामवेद**	RRB Group-D – 08/09/2022 (Shift–I)
■ सबसे पुराना वेद.....है– **ऋग्वेद**	RRB Group-D 12-12-2018 (Shift-I) RRB NTPC 30.01.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ ऋग्वेद में ऐसे ..... मंत्र है जिनमें अप्रमाणिक वलखिल्य भजन शामिल हैं– **1028**	RRB Group-D 29-10-2018 (Shift-III) RRB Group-D 12-10-2018 (Shift-III)
■ वेदों का ..... अंग जटिल शब्दों के अर्थ एवं व्याख्या के लिए प्रसिद्ध है– **निरुक्त**	RRB NTPC 23.02.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य, 'सत्यमेव जयते' (अर्थात ''सत्य की हमेशा विजय होती है'') किस प्राचीन भारतीय शास्त्र से उद्धत एक मंत्र है– **मुण्डकोपनिषद्**	RRB NTPC 02.04.2016 (Shift-III) Stage I[st] RRB NTPC 02.02.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ धनुर्वेद, यजुर्वेद का उपवेद है। इसका संबंध ..... है– **युद्ध कौशल से**	RRB NTPC 18.01.2021 (Shift-II) Stage Ist
■ ..... में संगीत से संबंधित ज्ञान संग्रहित है– **सामवेद**	RRB NTPC 31.01.2021 (Shift-I) Stage Ist RRB Group-D 24-09-2018 (Shift-I)
■ वेदों को इंडो-आर्यन सभ्यता का सर्वप्रथम साहित्यिक अभिलेख माना जाता है। इसमें शामिल चार वेदों के नाम ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और _____ हैं– **अथर्ववेद**	RRB NTPC 16.01.2021 (Shift-II) Stage Ist
■ मुंडक उपनिषद् ..... से संबंधित है– **अथर्ववेद**	RRB NTPC 05.03.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ भारत की वैदिक काल अवधि कब तक चली– **1500–500 ई.पू.**	RRB NTPC 22.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

■ जादुई अनुष्ठानों और वशीकरण के बारे में बताता है–	**अथर्ववेद**	RRB Group-D 25-09-2018 (Shift-I)
■ 'यजुर्वेद' में यजुर का अर्थ है–	**बलिदान**	RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-III) Stage IInd
■ ..... वेद में बीमारियों का उपचार दिया गया है–	**अथर्व**	RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-I) Stage IInd
■ ..... उपनिषद् में 'वसुधैवकुटुम्बकम' शब्द का उल्लेख किया गया है–	**महाउपनिषद्**	RRB Group-D 24-09-2018 (Shift-III)
■ ..... उपनिषदों में से ..... उपनिषद् मुख्य माने जाते हैं–	**108, 11**	RRB Group-D 11-10-2018 (Shift-II)
■ सबसे पुराना उपनिषद् है–	**छांदोग्य उपनिषद्**	RRB Group-D 12-10-2018 (Shift-I)
■ प्रारंभिक भारतीय दार्शनिक के अनुसार, प्रत्येक वस्तु _____ मूल तत्वों से बनी है–	**5**	RRB ALP & Tec. (09-08-18 Shift-III)
■ ऋग्वैदिक युग के नर देवता, पौधों के देवता थे–	**सोम**	UPSI Batch-1, 16 Dec 2017
■ प्राचीन काल में आर्यों के जीविकोपार्जन का मुख्य साधन था–	**कृषि एवं पशुपालन**	(UPPCS (Pre) G.S. 1993)
■ पुराणों के पाँचों लक्षणों का उल्लेख मिलता है–	**मत्स्य पुराण में**	UPPSC AE 2021
■ 'अष्टक' भी कहा जाता है–	**ऋग्वेद को**	UPPSC GDC 2021
■ एक 'वेदांग' नहीं है–	**स्मृति**	UPPSC ACF/RFO 2021 Mains GS Paper-I
■ वैदिक कालीन प्रशासन में 'भागदुह' अधिकारी था-	**राजस्व कर जमा करने वाला**	UPPCS (Pre) 2023
■ वह ग्रंथ जिसमें, 'आयुर्वेद' शब्द का प्रयोग हुआ है–	**ऋग्वेद**	UPPSC Ayuvedacharya 2022
■ महाभारत ग्रंथ का उपनाम है–	**शतसहस्त्री-संहिता**	UPPSC BEO (Pre) 2019
■ गायत्री मंत्र के नाम से प्रसिद्ध मंत्र सर्वप्रथम मिलता है–	**ऋग्वेद में**	UPPCS (Pre) G.S. 2013 BEO-Re-exam 2006-I
■ ऋग्वेद की मूल लिपि थी–	**ब्राह्मी**	UPPCS (Pre) Spl. G.S. 2004
■ ऋग्वेद पर आधारित संकलन है–	**सामवेद**	UPPCS (Pre) G.S. 1997
■ ऋग्वैदिक धर्म था –	**बहुदेववादी**	UPPCS (Pre) Ist GS 2014
■ ऋग्वेद काल में जनता विश्वास करती थी–	**बलि एवं कर्मकाण्ड**	UPPCS (Pre) G.S. 1993
■ गोत्र शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम हुआ था–	**ऋग्वेद**	UPPCS (Main) G.S. Ist 2005
■ ऋग्वेद में सर्वाधिक संख्या में मंत्र सम्बन्धित हैं–	**इन्द्र**	UPPCS (Main) G.S. Ist 2010
■ सबसे प्राचीन वेद है–	**ऋग्वेद**	UP Lower (Pre) 2009–10
■ वह वैदिक ग्रंथ जिसमें 'वर्ण ' शब्द का सर्वप्रथम नामोल्लेख मिलता है–	**ऋग्वेद**	UP Lower (Pre) 2014–15
■ ऋग्वेद में उल्लिखित 'यव' शब्द किस कृषि उत्पाद हेतु प्रयुक्त किया गया है–	**जौ**	UPPCS (Main) Spl. G.S. Ist Paper 2008
■ ऋग्वेद में उल्लिखित प्रसिद्ध 'दश-राजाओं' का युद्ध लड़ा गया था–	**परुष्णी (रावी) नदी के किनारे**	UPPCS (Main) G.S. Ist Paper 2008 UPPCS (J) 2023 UPPSC (AE) 2013 SSC CGL (Tier-1) Shift-IV 21.07.2023
■ ऋग्वैदिक काल के प्रारंभ में, महत्वपूर्ण मूल्यवान सम्पत्ति समझा जाता था–	**गाय**	UPPCS (Pre) Re-Exam. G.S. 2015
■ वैदिक काल में ''अघन्या'' माना गया है–	**गाय को**	UPPCS (Pre) G.S. 2008
■ वैदिक साहित्य जिसमें मोक्ष की चर्चा मिलती है–	**उपनिषद्**	UPPCS (Main) G.S. 2003
■ वैदिक देवताओं में, पुरोहित माना जाता था–	**वृहस्पति**	UPPCS (Main) G.S. Ist Paper 2013
■ उत्तर वैदिक काल में आर्य संस्कृति का धुर समझा जाता था–	**कुरु, पंचाल**	UPPCS (Main) G.S. Ist 2007
■ वैदिक कर्मकाण्ड में 'होता' का सम्बन्ध है–	**ऋग्वेद**	UP RO/ARO (M) 2013
■ आरम्भिक वैदिक साहित्य में सर्वाधिक वर्णित नदी है–	**सिंधु**	UPPCS (Pre) G.S. 1999
■ ऋग्वेद में 'मातेतमा', 'देवीतमा' एवं 'नदीतमा' संबोधित किया गया है–	**सरस्वती नदी को**	UPPCS (Main) Spl. G.S. Ist Paper 2008
■ शुक्ल यजुर्वेद की संहिता है–	**वाजसनेयी**	UPPCS (Pre) 2018
■ शतपथ ब्राह्मण में उल्लिखित राजा विदेह माधव से सम्बन्धित ऋषि थे–	**ऋषि गौतम राहुगण**	UP Lower (Pre) 2015
■ जिस ग्रन्थ में 'पुरुष मेध' का उल्लेख हुआ है, वह है–	**शतपथ ब्राह्मण**	UPPCS (Pre) Spl. G.S. 2008
■ 'गोपथब्राह्मण' सम्बन्धित है–	**अथर्ववेद**	UP RO/ARO (Pre) 2014
■ 'आयुर्वेद' अर्थात् 'जीवन का विज्ञान' का उल्लेख सर्वप्रथम मिलता है–	**अथर्ववेद**	UPPCS (Pre) G.S. 1994
■ वह उपनिषद् जिसमें पहली बार 'निराशावाद' के तत्व दिखाई देते हैं–	**मैत्रायणी**	UP UDA/LDA Spl. - 2006

■ भारतीय प्रतीक पर उत्कीर्ण 'सत्यमेव जयते' लिया गया है– **मुण्डकोपनिषद्**	UPPCS Kanoongo Exam., 2014 UPPCS (Pre) Spl. G.S. 2004 UPPCS (Pre) G.S. 1991
■ जिंद अवेस्ता और ऋग्वेद में समानता है। जिंद अवेस्ता सम्बन्धित है– **ईरान**	UP Lower (Pre) 2004
■ प्राचीन भारत में 'निशाका' से जाने जाते थे – **स्वर्ण आभूषण**	UPPCS (Pre) G.S. 2005
■ 14वीं सदी ई. पूर्व का एक अभिलेख जिसमें वैदिक देवताओं का वर्णन है, प्राप्त हुआ है– **बोगजकोई (एशिया माइनर)**	UPPCS (Main) G.S. 2016
■ 'मनुस्मृति' मुख्यतया सम्बन्धित है– **समाज-व्यवस्था**	UPPCS (Pre) G.S. 2007
■ वह उपनिषद् जिसमें आध्यामिक ज्ञान के विषय में नचिकेता और यम का संवाद प्राप्त होता है– **कठोपनिषद्**	UPPCS (Pre) G.S. 1999 RRB ALP & Tec. Shift (III) 9.8.2018
■ ऋग्वेद में उल्लेख अफगानिस्तान के साथ आर्यों के सम्बन्ध का सूचक है– **कुभा, क्रमु नदी**	UPPCS (Pre) G.S. 2010
■ सर्वाधिक ऋग्वैदिक सूक्त समर्पित है- **इन्द्र**	UPPCS (Main) G.S. 2002
■ 'आर्य' शब्द का शाब्दिक अर्थ है– **श्रेष्ठ**	UPPCS (Pre) G.S. 2007
■ अध्वर्यु का अर्थ था– **यज्ञ करने वाला पुरोहित**	UPPCS (Pre) G.S. 1999
■ उपनिषद्काल के राजा अश्वपति शासक थे– **कैकेय**	UPPCS (Pre) G.S. 1999
■ सर्ग, प्रतिसर्ग, वंश, मन्वन्तर और वंशानुचरित संकेतक हैं– **पुराणों**	UPPCS (Pre) Re-Exam. G.S. 2015
■ भारत का प्रथम विधि-निर्माता माना जाता है– **मनु**	UPPCS (Main) G.S. Ist Paper 2008 BEO exam-2006-I
■ 'कौसेय' शब्द का प्रयोग किया गया है– **रेशम के लिये**	UPPCS (Main) Spl. G.S. Ist Paper 2008
■ क्लासिकीय संस्कृत में 'आर्य' शब्द का अर्थ है– **एक उत्तम व्यक्ति**	UP Lower (Pre) 1998
■ ऋग्वेद है– **स्त्रोतों का संकलन**	UP RO/ARO (Pre) Exam., 2016
■ ''इतिहास'' शब्द का उल्लेख मिलता है– **अथर्ववेद में**	UPPSC AE-2011
■ भरत जन के नाम पर इंडिया का नाम 'भारत' रखा गया। ..... में इस जन का सर्वप्रथम उल्लेख मिलता है– **ऋग्वेद**	SSC CGL (Tier-II) – 07/03/2023 SSC Selection Posts XI– 27/06/2023 (Shift-I)
■ लौह-युग को यह नाम इसलिए दिया गया है, क्योंकि इस समय के दौरान मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्वी यूरोप में औजारों और हथियारों में मुख्य रूप से ..... की जगह लोहे का इस्तेमाल होने लगा था– **काँसा**	SSC CGL (Tier-1) – 27/07/2023 (Shift-II)
■ बुरी आत्माओं और बीमारियों से बचने के लिए जादू मंत्र और तंत्र-मंत्र का संग्रह है– **अथर्ववेद में**	SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-II)
■ आर्यों की मुख्य (प्रमुख) सामाजिक इकाई ____ थी– **जन**	SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-I)
■ उत्तर वैदिक काल में ..... वर्ण मुख्य रूप से खेती, पशुपालन और व्यापार जैसे काम करता था– **वैश्य**	SSC CGL (Tier-1) – 25/07/2023 (Shift-II)
■ ..... नदी का प्राचीन नाम विपाशा (Vipasha) है– **व्यास**	SSC MTS– 08/05/2023 (Shift-III)
■ वैदिक आर्य सप्त-सिंधु नामक क्षेत्र में रहते थे, जिसका अर्थ सात नदियों द्वारा अपवाहित क्षेत्र है। सात नदियों में से एक झेलम नदी है। इसका प्राचीन नाम था– **वितस्ता**	SSC CGL (Tier-1) – 14/07/2023 (Shift-I)
■ ..... नदी का उल्लेख वैदिक साहित्य में 'वितस्ता' के रूप में किया गया है– **झेलम**	SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-I
■ ..... संगीत से संबंधित है– **सामवेद**	SSC MTS 12/10/2021 (Shift-II)
■ सबसे पुराना वेद है– **ऋग्वेद**	SSC MTS 18/10/2021 (Shift-I)
■ 'पुरुष सूक्त' ..... का एक मंत्र संग्रह (सूक्त) है– **ऋग्वेद**	SSC CHSL 05/08/2021 (Shift-II)
■ वैदिक कालीन 'चतुराश्रम' व्यवस्था के अनुसार, पारिवारिक अवधि के लिए ..... पद का प्रावधान किया गया है– **गृहस्थ**	SSC GD 29/11/2021 (Shift-I)
■ वेद ऋषि कपिल का संबंध भारतीय दर्शन के _____ संप्रदाय से था– **सांख्य**	SSC GD 09/12/2021 (Shift-II) SSC CHSL (Tier-I) –11/07/2019 (Shift-I)
■ ऋग्वेद, ... पुस्तकों (मंडलों) में विभाजित है– **10**	SSC GD 13/12/2021 (Shift-III)
■ ..... उपवेद ऋग्वेद से संबंधित है– **आयुर्वेद**	SSC GD 07/12/2021 (Shift-III)
■ ऋग्वेद में ऋषि विश्वमित्र और देवी के रूप में पूजी जाने वाली दो नदियों के बीच संवाद के रूप में एक भजन है। ये नदियाँ हैं– **व्यास और सतलुज**	SSC CGL (Tier-I) 13/04/2022 (Shift-I)

■ अथर्ववेद _____खण्डों का संग्रह है– **20**	SSC CGL (Tier-I) 11/04/2022 (Shift-II)
■ ..... नदी को वैदिक काल में पुरुषनी के नाम से जाना जाता था– **रावी**	SSC CGL (Tier-I)-2019 – 09/03/2020 (Shift-II)
■ रावी नदी का ऋग्वैदिक नाम ..... है– **परूष्णी**	SSC CHSL 26/10/2020 (Shift-III)
■ वेदांगों के संदर्भ में, 'अनुष्ठान' को दर्शाता है– **कल्प**	SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-I)
■ एक समय पर, वैदिक सभ्यता में राजा को 'गोपति' कहते थे जिसका अर्थ था– **मवेशियों का स्वामी**	SSC CHSL 26/10/2020 (Shift-I)
■ भारत में वैदिक सभ्यता ——— नदी के किनारे विकसित हुई थी– **सरस्वती**	SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)
■ वैशेषिक दर्शन के प्रतिपादक है– **कणाद**	SSC JE Civil - 27/01/2018 (Shift-I)
■ सही सुमेलन है– **सूची-I (वेद)** / **सूची-II (ब्राह्मण)** ऋग्वेद – कौशितकी और ऐतरेय ब्राह्मण यजुर्वेद – शतपथ तैत्तिरीय ब्राह्मण सामवेद – पंचविंश, षडविंश, अद्भुत तथा जैमिनी प्राप्तण अथर्ववेद – गोपथ ब्राह्मण	UPPSC Polytechnic Lecturer 2021

छठीं शताब्दी ई.पू. की राजनीतिक दशा, महाजनपदों का उदय एवं मगध साम्राज्य

■ छठी-पाँचवीं शताब्दी ईसा पूर्व में, तुर्की के लोगों ने सिंधु के पूर्व में लोगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भाषा को कहा था– **हिन्दवी**	UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022
■ राजा बिंबिसार के दरबार में वह प्रसिद्ध चिकित्सक जो भगवान बुद्ध के निजी चिकित्सक थे– **जीवक**	Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-II)
■ छठी शताब्दी ईसा पूर्व में जैन और बौद्ध ग्रंथों में ..... महाजनपदों का उल्लेख किया गया है– **सोलह**	UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022
■ भारत की प्राचीन राजधानी थी– **पाटलिपुत्र**	UPSI, 1991
■ मगध साम्राज्य का अन्तिम शासक था– **कालाशोक**	UPP Constable (Pre), 2013
■ मगध की राजधानी राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित की– **अजातशत्रु ने**	UPP Constable, 18.06.2018 (Shift-2)
■ बिम्बिसार ..... शासक था– **मगध का**	RRB JE CBT-II 31.08.2019 IInd Shift
■ मगध साम्राज्य की राजधानी थी– **राजगीर**	RRB NTPC 05.04.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ आर्य संस्कृति के सर्वोच्च काल में, गंगा घाटी के जनपद, जो संख्या में _____ थे, महाजनपद बन गए थे– **16**	RRB Group-D 12-12-2018 (Shift-III)
■ प्राचीन काल में 'अवध' को ..... नाम से जाना जाता था– **कोसल**	RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-II) Stage IInd
■ सोलह महाजनपदों का उल्लेख है– **अंगुत्तर निकाय**	UPPCS (M.) Spl. G.S. Ist 2008 UPPCS (Pre) G.S. 2008 SSC JE Civil Shift (II) 22.01.2018
■ कलिंग नरेश खारवेल सम्बन्धित था– **चेदि वंश से**	UPPCS (M.) Ist GS, 2015
■ छठी शताब्दी ई. पू. का मत्स्य महाजनपद स्थित था– **राजस्थान**	UPPCS (Pre) G.S. Ist 2017
■ प्राचीन नगर के अवशेष कुम्रहार स्थल से प्राप्त हुए हैं– **पाटलिपुत्र**	UPPCS (Main) G.S. Ist, 2011
■ मालवा क्षेत्र पर मगध की सत्ता का विस्तार हुआ था– **शिशुनाग के समय**	UP Lower (Pre) Spl. 2008
■ मगध का शासक जिसने राज्यारोहण के लिए अपने पिता की हत्या की एवं स्वयं इसी कारणवश अपने पुत्र द्वारा मारा गया– **अजातशत्रु**	UPPCS (Pre) G.S. 2011, 2007
■ मगध का सम्राट जिसे 'अपरोपरशुराम' के नाम से जाना जाता है– **महापद्मनन्द**	UP UDA/LDA Spl. (Pre) 2010
■ प्राचीन श्रावस्ती का नगर विन्यास, आकृति है– **अर्धचन्द्राकार**	UPPCS (Pre) G.S. 2010
■ छठवीं शताब्दी ई. पू. शुक्तिमती राजधानी थी – **चेदि**	UPPCS (Main) G.S. Ist 2011
■ अभिलिखित साक्ष्य में प्रकट होता है कि नन्द राजा के आदेश से एक नहर खोदी गई थी– **कलिंग में**	UPPCS (Pre) G.S. 1999
■ उदयन-वासवदत्ता की दन्तकथा संबंधित है– **कौशाम्बी**	UP Lower (Pre) Spl. 2008
■ प्राचीन भारत में मगध साम्राज्य की सबसे प्रारंभिक राजधानी थी– **पाटलिपुत्र**	UPPSC AE-2011
■ मगध महाजनपद ..... नदियों से घिरा हुआ था– **गंगा और सोन**	SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-III)

■ वज्जी महाजनपद की राजधानी _____ थी–	**वैशाली**	SSC CGL (Tier-1) – 19/07/2023 (Shift-IV)
■ राजगृह ..... महाजनपद की प्रथम राजधानी थी–	**मगध**	SSC MTS– 11/05/2023 (Shift-II)
■ ..... प्राचीन भारत का पहला साम्राज्य है, जिसमें युद्ध के लिए बड़े पैमाने पर हाथियों का उपयोग किया जाता था–	**मगध**	SSC CHSL 05/08/2021 (Shift-II)
■ भगवान गौतम बुद्ध के जीवन काल के दौरान सातवीं और छठीं शताब्दी ईसा पूर्व में ..... महान शक्तियाँ (महाजनपद) अस्तित्व में थीं–	**16**	SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-II) SSC JE Civil - 23/01/2018 (Shift-I)
■ प्राचीन चंपा शहर को _____महाजनपद की राजधानी माना जाता है–	**अंग**	SSC CGL (Tier-I) 21/04/2022 (Shift-II)
मगध का उत्कर्ष (Emergence of Magadh)		
■ मौर्य वंश ने ..... राजवंश के बाद मगध पर शासन किया था–	**नंद राजवंश**	SSC GD 09/12/2021 (Shift-I)
■ बिंबिसार ..... वंश के राजा थे–	**हर्यंक**	(SSC 10+2 CHSL 23.01.17, 1.15 pm)
■ प्रसिद्ध चिकित्सक जीवक की नियुक्ति ..... के दरबार में की गई थी–	**बिम्बिसार**	SSC CPO-SI – 11/12/2019 (Shift-II)
■ हर्यंक वंश से मगध के पहले शासक ———— थे–	**बिम्बिसार**	SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-III)
■ नंद वंश का अंतिम शासक था–	**घनानंद**	SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-II)
■ हर्यंक वंश का शासक अजातशत्रु ..... का पुत्र था–	**बिंबिसार**	SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-II)
■ राजा अजातशत्रु _____वंश के शासक थे–	**हर्यक**	SSC CGL (Tier-I) 18/04/2022 (Shift-I)
■ चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में, मगध की राजधानी को ———— स्थानांतरित कर दिया गया था–	**पाटलिपुत्र**	SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)
■ बिम्बिसार ने ..... राजवंश के राजा के उपचार के लिए राजवैद्य जीवक को भेजा था–	**अवंती**	SSC JE CIVIL 10/10/2023 (Shift-I)
■ मगध सम्राट ..... ने अंग को अपने साम्राज्य का हिस्सा बनाया था–	**बिम्बिसार**	SSC JE CIVIL 11/10/2023 (Shift-I)

धार्मिक आन्दोलन

जैन धर्म

■ जैन धर्म का सबसे महत्त्वपूर्ण मौलिक सिद्धान्त है–	**अहिंसा**	UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-II
■ श्वेताम्बर और दिगम्बर धर्म के हैं–	**जैनमत**	UPP Constable, 2009
■ जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर थे–	**पार्श्वनाथ**	UPP Constable (Pre), 2013
■ गच्छा नामक संगठन से संबंधित है–	**जैन धर्म**	UPSI Batch-1, 19 Dec 2017
■ 24वें जैन तीर्थंकर या अन्तिम तीर्थंकर थे–	**महावीर**	UDA/LDA 29-11-2015
■ पहले जैन तीर्थंकर थे–	**ऋषभदेव**	राजस्व निरीक्षक - 17-07-2016 (Paper-I)
■ 19वीं शताब्दी में निर्मित अजमेर का सोनीजी की नसिया मंदिर _____ को समर्पित है–	**भगवान ऋषभदेव**	RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-III)
■ जैन धर्म से संबंधित जल मंदिर का निर्माण करवाया था–	**राजा नंदिवर्धन ने**	RRB Group–D : 23/08/2022 (Shift -III)
■ जैन धर्म में तीर्थंकर ..... को कहते हैं–	**धर्म का रक्षक एवं आध्यात्मिक शिक्षक, जो मोक्ष, या मुक्ति का मार्ग बताता है**	RRB Group-D – 06/10/2022 (Shift -I)
■ जब कोई तीर्थंकर अपने नश्वर शरीर को छोड़ता है, तो इसे ----- के रूप में जाना जाता है–	**निर्वाण**	RRB Group- D – 11/10/2022 (Shift–II)
■ ..... 'आगम' जैन धर्म में अहिंसा का वर्णन करता है–	**सूत्रक्रातांग सूत्र**	RRB Group-D – 01/09/2022 (Shift–II)
■ जैन धर्म का प्रथम तीर्थंकर माना जाता है–	**ऋषभनाथ को**	RRB Group-D – 16/09/2022 (Shift-I)
■ वर्धमान महावीर जैन धर्म के _____ तीर्थंकर थे–	**24वें**	RRB Group- D – 14/09/2022 (Shift–I)
■ जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों में से प्रथम तीर्थंकर हैं–	**ऋषभनाथ**	RRB Group-D – 07/10/2022 (Shift–II)
■ जीवन में जिन पांच बंधनों को जैन धर्म के लोगों द्वारा पालन करना होता है, ... का अर्थ गैर-अभिग्रहण है–	**अपरिग्रह**	RRB Group-D – 15/09/2022 (Shift-II)
■ ____ को वह पवित्र व्यक्ति माना जाता है, जिसने जैन धर्म को उसका वर्तमान स्वरूप प्रदान किया–	**महावीर**	RRB Group-D – 12/09/2022 (Shift-I)

■ स्वामी महावीर का जन्म हुआ था– **कुंडग्राम में**	RRB Group-D – 26/09/2022 (Shift–II)
■ महावीर और उनके अनुयायियों की शिक्षाओं को लगभग 1500 वर्ष पहले जिस रूप में लिखा गया था, उसी रूप में वे वर्तमान में ..... स्थान पर उपलब्ध हैं– **गुजरात में वल्लभी**	RRB Group-D – 28/09/2022 (Shift–I)
■ जैन धर्म में, 'जैन' शब्द संस्कृत शब्द 'जिन' से लिया गया है, जिसका अर्थ है....., अर्थात् जिसने सभी मानवीय भावावेशों पर विजय प्राप्त कर ली हो– **विजेता**	RRB Group-D – 17/08/2022 (Shift–I)
■ जैन धर्म का तीर्थ स्थल-पालीताणा मंदिर ..... राज्य में स्थित है– **गुजरात**	RRB Group-D – 14/09/2022 (Shift–III)
■ दिगंबर संप्रदाय ..... से संबंधित है– **जैन धर्म**	RRB Group-D – 25/08/2022 (Shift-I)
■ छठवीं शताब्दी ईसा पूर्व के प्रारंभ में भगवान महावीर का जन्म हुआ– **वैशाली में**	RRB NTPC 01.02.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ भगवान महावीर का मूल नाम है– **वर्धमान**	RRB NTPC 30.12.2020 (Shift-I) Stage Ist
■ जैन मठ संस्थानों को कहा जाता है– **बसादिस**	RRB NTPC 23.02.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ महावीर____ तीर्थंकरों में अंतिम तीर्थंकर माने जाते हैं– **24**	RRB Group-D 11-10-2018 (Shift-I) RRB NTPC 25.01.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ पार्श्वनाथ जो एक क्षत्रिय और बनारस के राजा अश्वसेन का पुत्र था, वह ..... जैन तीर्थंकर बना– **तेईसवाँ**	RRB Group-D 24-09-2018 (Shift-III)
■ शब्द श्वेताम्बर ------ से जुड़ा हुआ है– **जैन धर्म**	RPF Constable 18-02-2019 (Shift-III)
■ जैन धर्म के संस्थापक थे– **ऋषभदेव**	UPSI, 1991
■ जैन कल्पसूत्र की रचना की थी – **भद्रबाहु ने**	UPPSC Polytechnic Lecturer 2022
■ मनुष्य जीवन का सर्वोत्तम ध्येय है 'कैवल्य', जिसका अर्थ है– **इच्छाओं पर विजय प्राप्त करना**	चकबन्दी लेखपाल - 08-11-2015 (Morning)
■ भारत में पाल काल में एक महत्वपूर्ण अध्ययन केन्द्र था– **विक्रमशिला**	UPPSC AE 2021
■ विक्रमशिला विश्वविद्यालय के अति महत्वपूर्ण आचार्य थे– **विरोचन, अतीश, दीपांकर तथा रत्नाकर शांति**	UPPSC AE 2021
■ तक्षशिला विश्वविद्यालय का उत्खनन कराया– **जॉन मार्शल ने**	UPPSC Ashram Paddhati 2021
■ महावीर का प्रथम अनुयायी बना– **जामालि**	UPPCS (Pre) G.S. 2008
■ त्रिरत्न सिद्धान्त (Doctrine of three jewels) – सम्यक् धारणा, सम्यक् चरित्र, सम्यक् ज्ञान जिस धर्म की महिमा है, **जैन धर्म की**	UPPCS (Pre) G.S. 2004 VDO Shift (I) 23.12.2018
■ "आजीवक" सम्प्रदाय के संस्थापक थे– **मक्खलि गोशाल**	UPPCS (Pre) G.S. 1996
■ प्रारंभिक जैन साहित्य में लिखा गया था– **अर्ध-मागधी भाषा में**	UPPCS (Main) G.S. Ist 2006
■ यापनीय एक सम्प्रदाय था– **जैन धर्म का**	UPPCS (Pre) G.S. 2010
■ तीर्थंकर शब्द संबंधित हैं– **जैन**	UPPCS (Pre) G.S. 1993
■ जैन सभा जिसमें अंतिम रूप से श्वेताम्बर आगम का सम्पादन हुआ– **पाटलिपुत्र**	UPPCS (Main) G.S. Ist Paper 2008
■ प्रभासगिरि तीर्थ-स्थल है,– **जैनो का**	UPPCS (Pre) Spl. G.S. 2008
■ धर्म जो 'विश्व विनाशकारी प्रलय' की अवधारणा में विश्वास नहीं करता– **जैन धर्म**	UPPCS (Pre) Ist GS, 2014
■ जैनियों की पवित्र पुस्तकें कहलाती हैं– **अगम सिद्धान्त**	UPPSC AE- 2007 Paper (II)
■ दर्शन जिसने पुनर्जन्म के विश्वास को अस्वीकार कर दिया– **चार्वाक**	UPPSC AE-2004
■ जैनों के अंतिम तीर्थकर कौन थे– **वर्धमान महावीर**	SSC MTS– 16/05/2023 (Shift-II) SSC JE Electrical 09/10/2023 (Shift-III)
■ भगवान महावीर को मोक्ष निम्न में से किस स्थान पर प्राप्त हुआ था– **पावापुरी**	SSC MTS 13/10/2021 (Shift-II)
■ _____ ज्ञातृक (या झात्रिक) {Jantrika (or Jhatrika} क्षत्रिय वंश के प्रमुख के पुत्र थे– **वर्धमान महावीर**	SSC GD 16/11/2021 (Shift-II)
■ ..... धर्म में 24 तीर्थंकर हुए थे– **जैन**	(SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 10 am)
■ व्यावहारिक जीवन में दस सार्वभौमिक गुणों का पालन करके आत्मशुद्धि और उत्थान के लिए प्रतिवर्ष 'पर्युषण पर्व' मनाता है– **जैन समुदाय**	SSC CPO-SI – 13/12/2019 (Shift-II)

■ भगवान महावीर का जन्म वर्तमान समय के ..... राज्य में हुआ– **बिहार**	SSC JE Electrical 10.12.2020 (Shift-II)
■ जैन धर्म के पहले तीर्थंकर ..... थे– **ऋषभदेव**	SSC JE Civil - 27/01/2018 (Shift-II)
■ संथारा.....समुदाय का एक धार्मिक संस्कार है– **जैन**	(SSC 10+2 CHSL 08.02.17, 1.15 pm)
■ प्रथम और चौथे जैन तीर्थंकर के जन्म स्थान के रूप में मान्यता प्राप्त पवित्र शहर का नाम है– **अयोध्या**	SSC CHSL 26/10/2020 (Shift-I)
■ जैन दर्शन शास्त्र के अनुसार, 'जिन' शब्द का अर्थ —— होता है– **विजेता**	SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-III)
■ महावीर के शिक्षाए, जो कि लगभग 1500 वर्ष पूर्व लिखी गई थी, वर्तमान में उपस्थित हैं– **वल्लभी, गुजरात**	SSC MTS 7-10-2017 (Shift-I)
■ सही सुमेलन है – **सूची-I** **सूची-II** **(स्थल)** **(संबंधित तीर्थंकर)** श्रावस्ती संभवनाथ काकंदी सुविधा नाथ अयोध्या ऋषभनाथ पभोसा पद्मप्रभु	UPPCS RO/ARO (Mains) 2021
बौद्ध धर्म	
■ गौतम बुद्ध को ज्ञान ..... नदी के तट पर प्राप्त हुआ था– **निरंजना**	UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-I
■ 'त्रिपिटक' संबंधित है– **बौद्ध धर्म से**	UPSI, 1991
■ बौद्ध धर्म का अनुयायी था– **अशोक**	UPSI, 1999
■ बौद्ध धर्म का प्रचार विदेशों में कराया– **अशोक ने**	UPSI, 1999
■ 'जातक कथा' संबंधित है– **गौतम बुद्ध से**	UPP Constable (Main), 2014
■ तीसरी बौद्ध परिषद आयोजित की गई थी– **पाटलिपुत्र में**	UPP Constable, 25.10.2018
■ बुद्ध वंश के शासकों द्वारा शासित स्थान था– **कपिलवस्तु**	UPSI Batch-2, 16 Dec 2017
■ गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया था– **धम्म-चक्र-प्रवर्तन मुद्रा में**	UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-2
■ वह स्थान जहाँ प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन किया गया था– **राजगीर**	UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-1
■ भगवान बुद्ध की 200 फीट ऊँची कांस्य प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया गया है– **कुशीनगर में**	स्टेनोग्राफर - 26-07-2015
■ बुद्ध को महापरिनिर्वाण प्राप्त हुआ था– **कुशीनगर में**	असिस्टेन्ट एकाउन्टेन्ट 22-11-2015
■ वह स्मारक जिससे गौतम बुद्ध ने दुनिया के लिए बौद्ध धर्म के अपने दिव्य ज्ञान का प्रचार किया था– **महाबोधि मंदिर समूह**	लोअर द्वितीय - 15-07-2018
■ वह स्थान जहाँ बौद्धों की मान्यता के अनुसार गौतम बुद्ध ने अपनी मृत्यु के बाद परिनिर्वाण प्राप्त किया– **कुशीनगर**	राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift-I)
■ पाली में बौद्ध ग्रंथों को आमतौर पर त्रिपिटक, यानी 'थ्रीफोल्ड बास्केट' कहा जाता है। ..... त्रिपिटकों में से नहीं है– **उपसाका पिटक**	ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- II) जूनियर इंजीनियर/तकनीकि - 27-12-2015
■ ज्ञान प्राप्त करने के बाद, गौतम को ..... रूप में जाना जाने लगा– **बुद्ध**	ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- II)
■ बोधगया एक महत्त्वपूर्ण बौद्ध तीर्थ केंद्र है, क्योंकि–**गौतम बुद्ध ने यहाँ ज्ञान प्राप्त किया था**	ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- I)
■ बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था– **सारनाथ में**	विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- II) UP Constable Pre (2013)
■ बौद्धों के लिए उत्तर प्रदेश में स्थित सारनाथ महत्त्वपूर्ण है क्योंकि– **ज्ञान प्राप्त करने के बाद, भगवान बुद्ध ने सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया था**	विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- I)
■ एक बौद्ध दार्शनिक थे– **नागार्जुन**	चकबन्दी लेखपाल - 08-11-2015 (Morning) RRB JE -2014 UP Lower 2015 UP PCS (Pre) GS 1993 BEO Exam 2003, 2006

■ बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ में अपने पांच शिष्यों को दिया था,जिसे _____ कहा जाता है– **धर्मचक्रप्रवर्तन**	**RRB NTPC (Stage-2) 14/06/2022 (Shift-I)** **विधान भवन रक्षक 2/12/2018**
■ वैशाली में, द्वितीय बौद्ध संगीति _____ द्वारा संचालित की गई थी– **कालाशोक**	**RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-III)**
■ थेरीगाथा, एक बौद्ध ग्रंथ है, जो _____ का हिस्सा है, यह भिक्षुणियों द्वारा रचित छंदो का संग्रह है– **सुत्त पिटक**	**RRB NTPC (Stage-2) 14/06/2022 (Shift-II)**
■ तीन पिटकों में से, अभिधम्म पिटक .....से संबंधित है– **दार्शनिक मामलों**	**RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-III)** **RRB Group-D – 22/09/2022 (Shift-I)**
■ माना जाता है कि गौतम (सिद्धार्थ) ने अंतिम ज्ञान प्राप्ति के लिए बोधगया जाने से पहले छह साल तक _____ स्थान पर शुद्ध चित्त से ध्यान किया था– **प्रागबोधि**	**RRB Group- D – 09/09/2022 (Shift–I)**
■ 'त्रिपिटक' ..... का पवित्र ग्रंथ हैं– **बौद्ध धर्म**	**RRB Group-D – 20/09/2022 (Shift-I)**
■ गौतम बुद्ध का सम्बन्ध ..... गण से था– **शाक्य**	**RRB Group-D – 27/09/2022 (Shift–III)**
■ गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति ..... शहर में हुई थी– **बोधगया**	**RRB Group-D – 24/08/2022 (Shift–II)**
■ बौद्ध धर्म से संबंधित एक पवित्र ग्रंथ है– **त्रिपिटक**	**RRB Group–D 22/08/2022 (Shift–I)**
■ ..... सामान्यतः एक बौद्ध मठ को संदर्भित करता है, जिसमें बौद्ध भिक्षु रहते हैं– **विहार**	**RRB Group-D – 29/09/2022 (Shift–I)**
■ गौतम बुद्ध ने आत्मज्ञान प्राप्त किया था– **बोधगया में**	**RRB NTPC 19.03.2021 (Shift-I) Stage Ist**
■ हीनयान और महायान किस धर्म के पंथ हैं– **बौद्ध धर्म**	**RRB NTPC 28.01.2021 (Shift-I) Stage Ist**
■ सिंहचतुर्मुख स्तंभ स्थित है– **सारनाथ में**	**RRB NTPC 02.02.2021 (Shift-I) Stage Ist**
■ बोधिसत्व की अवधारणा ..... से संबंधित है– **महायान बौद्ध धर्म**	**RRB NTPC 01.04.2021 (Shift-I) Stage Ist**
■ विनय और सुत्त पिटक ..... की शिक्षाओं के संकलन हैं– **गौतम बुद्ध**	**RRB NTPC 01.04.2021 (Shift-I) Stage Ist**
■ गौतम बुद्ध के उपदेशों में से अग्नि उपदेश के रूप में जाना जाता है– **अदित्तपरियाय सुत्त**	**RRB NTPC 17.02.2021 (Shift-I) Stage Ist**
■ जातक कथाएं _____ से संबंधित हैं– **बौद्ध धर्म**	**RRB NTPC 29.12.2020 (Shift-II) Stage Ist**
■ 'बुद्धचरितम्' नामक महाकाव्य ..... ने लिखा था– **अश्वघोष**	**RRB NTPC 06.04.2021 (Shift-II) Stage Ist**
■ गौतम बुद्ध का जन्म कहाँ हुआ था– **लुम्बिनी**	**RRB NTPC 09.02.2021 (Shift-I) Stage Ist**
■ उस बौद्ध ग्रन्थ का नाम बताइए, जिनमें भिक्षुओं के लिए नियमों का उल्लेख है– **विनय पिटक**	**RRB NTPC 08.01.2021 (Shift-II) Stage Ist**
■ स्तूप बनाए गए थे– **पवित्र स्मृतिचिह्न रखने के लिए**	**RRB NTPC 09.02.2021 (Shift-II) Stage Ist**
■ ..... के नीचे रानी मायादेवी ने गौतम बुद्ध को जन्म दिया था– **साल के वृक्ष**	**RRB Group-D 12-10-2018 (Shift-III)**
■ बौद्ध धर्म की नींव _____ महान सच्चाइयों एवं _____ अंगीय पथ पर आधारित हैं– **चार, आठ**	**RRB Group-D 08-10-2018 (Shift-II)**
■ त्रिपिटक पवित्र धर्मग्रंथ ..... से संबंधित है– **बौद्ध धर्म**	**RRB Group-D 20-09-2018 (Shift-III)**
■ त्रिपिटक**.....**उपदेशों का सबसे पहला संग्रह है– **बौद्ध धर्म**	**RRB Group-D 09-10-2018 (Shift-II)**
■ गौतम बुद्ध को ज्ञान कहाँ पर प्राप्त हुआ था– **बोधगया**	**RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-II) Stage Ist**
■ बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन करने के लिए विजयवाड़ा में– **जुआन जांग (चीनी विद्वान) रहा**	**RRB Group-D 22-09-2018 (Shift-II)**
■ बोधगया किस भारतीय राज्य में स्थित है– **बिहार**	**RRB Group-D 30-10-2018 (Shift-III)**
■ गौतम बुद्ध ने अपने उपदेशों में जन साधारण की भाषा **.....** का प्रयोग किया– **पालि**	**RRB Group-D 11-10-2018 (Shift-III)**
■ जातक कथाओं में **.....** के जन्म और उनके पूर्व जीवन का वर्णन मिलता है– **बुद्ध**	**RRB Group-D 10-10-2018 (Shift-III)**
■ जैन धर्म और बौद्ध धर्म के उदय में भारत में ईसा पूर्व ..... शताब्दी में धार्मिक अशांति देखी गई थी– **छठी**	**RRB Group-D 09-10-2018 (Shift-I)**
■ गौतम बुद्ध की माँ का नाम ..... था– **माया देवी**	**RRB Group-D 05-10-2018 (Shift-I)**
■ _____ वास्तु कला में मुख्य रूप से चैत्य, विहार, स्तूप और स्तम्भ होते हैं– **बौद्ध**	**RRB ALP & Tec. (10-08-18 Shift-II)**

■ बौद्ध तीर्थस्थान 'दाँत का मंदिर' यहाँ स्थित है– **श्रीलंका**	RRB NTPC Stage Ist 19.01.2017 (Shift-II)
■ बोरोबुदूर बौद्ध मंदिर स्थित है– **इंडोनेशिया में**	RRB NTPC 12.04.2016 (Shift-II) Stage Ist
■ अजन्ता गुफा की चित्रकला भारत में ..... के स्वर्ण युग का प्रमाण है– **बौद्ध धर्म**	RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-I) Stage Ist
■ अजंता गुफाओं की चित्रकारी दर्शाती है– **जातक कथाएं**	RRB NTPC 04.02.2021 (Shift-I) Stage Ist RRB Group-D 24-09-2018 (Shift-III)
■ बुद्ध का जन्म हुआ था– **लुम्बिनी**	UPPCS (Pre) G.S. 2002
■ बुद्ध की मृत्यु जहाँ हुई थी वह स्थान है– **उत्तर प्रदेश में**	UPPCS (Mains) Ist GS, 2015, UPPCS (Pre) G.S. 2011
■ बुद्ध के जीवन की घटना जिसको 'महाभिनिष्क्रमण' के रूप में जाना जाता है– **गृहत्याग**	UPPCS (Pre) Ist GS, 2014
■ बुद्ध के उपदेश, सम्बन्धित हैं— **आचरण की शुद्धता व पवित्रता**	UPPCS (Pre) G.S. 1991
■ भारतीय कला में बुद्ध के जीवन की घटना का चित्रण 'मृग सहित चक्र' द्वारा हुआ है– **प्रथम उपदेश**	UPPCS (Main) G.S. 2002
■ बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश दिये थे— **श्रावस्ती**	UPPCS (Pre) G.S. 2011
■ बौद्ध संघ में भिक्षुणी के रूप में स्त्रियों के प्रवेश की अनुमति बुद्ध द्वारा दी गयी थी– **वैशाली में**	UPPCS (Pre) G.S. 2010
■ बुद्ध के जीवनकाल में ही संघ प्रमुख होना चाहता था– **देवदत्त**	UPPCS (Pre) G.S. 1999
■ बुद्ध द्वारा रूपान्तरित में अन्तिम व्यक्ति था– **सुभद्द**	UP RO/ARO (Pre) Exam., 2016
■ 'त्रिपिटक' है– **बुद्ध के उपदेशों का संग्रह**	UP Lower (Pre) 2003-04
■ बौद्ध धर्म में ''त्रिरत्न'' इंगित करता है– **बुद्ध, धम्म, संघ**	UPPCS (Pre) G.S. Spl. 2004
■ प्रथम बौद्ध समिति का आयोजन हुआ था – **अजातशत्रु के शासनकाल**	UPPCS (Main) G.S. Ist Paper 2010
■ 'संसार अस्थिर और क्षणिक है' यह कथन था— **बौद्ध**	UPPCS (Pre) G.S. 1992
■ बौद्ध ग्रन्थ जिसमें संघ जीवन के नियम प्राप्त होते हैं– **विनय पिटक**	UPPCS (Pre) G.S. 1996
■ विदेशी राजा जिसने समुद्रगुप्त से अनुरोध किया था कि उसे भारत में बौद्ध विहार बनाने की अनुमति दी जाय, वह था– **मेघ वर्मन**	BEO exam-2006 (I)
■ बोधगया में महात्मा बुद्ध ने दो बनजारों को उपदेश देकर अपना उपासक बना लिया था। वे दो बंजारे थे – **मल्लिक और तपस्सु**	UP UDA/LDA Spl.-2006
■ 'सप्तपर्णी गुफा' स्थित है– **राजगृह (बिहार)**	UP RO/ARO (Pre) 2014
■ 'विसुद्दिमग्ग' नामक पुस्तक किस सम्प्रदाय से सम्बन्धित है– **हीनयान**	UP UDA/LDA Spl. - 2006
■ शून्यता के सिद्धान्त का सर्वप्रथम प्रतिपादन करने वाले बौद्ध दार्शनिक थे– **नागार्जुन**	UPPCS (Pre) G.S. 1998
■ उत्तर प्रदेश में बौद्ध एवं जैनियों दोनों की प्रसिद्ध तीर्थस्थली है– **कौशाम्बी**	UPPCS (Pre) Spl. G.S. 2008
■ बौद्ध तथा जैन दोनों ही धर्म विश्वास करते हैं कि — **कर्म तथा पुनर्जन्म के सिद्धान्त सही हैं**	UPPCS (Pre) G.S. 1996
■ अफगानिस्तान का बामियान प्रसिद्ध था – **बुद्ध प्रतिमा के लिये**	UPPCS (Main) Spl. G.S. Ist Paper 2008
■ देश में मूर्ति-पूजा की नींव रखी थी– **बौद्ध धर्म**	UP Lower (Pre) Spl. 2008
■ वह काल जिसमें बुद्ध की खड़ी प्रतिमा बनाई गई— **कुषाणकाल**	UPPCS (Pre) G.S. 1992
■ भूमि स्पर्श मुद्रा की सारनाथ बुद्ध प्रतिमा सम्बन्धित है– **गुप्त काल**	UP UDA/LDA Spl. (Pre) 2010
■ 'विक्रमशिला विहार' का संस्थापक थे– **धर्मपाल**	UPPCS (Pre) G.S. 2016
■ स्तूप के उत्खनन में सारिपुत्र के अवशेष प्राप्त हुए थे– **सांची**	UP UDA/LDA Spl. - 2006
■ बौद्ध पवित्र स्थल जो निरंजना नदी पर स्थित है– **बोध गया**	UPPCS (Pre) G.S. 2012
■ 'एशिया के ज्योति पुंज' के तौर पर जाना जाता है– **गौतम बुद्ध**	UPPCS (Main) G.S. Ist Paper 2010
■ गौतम बुद्ध के समय का प्रसिद्ध वैद्य जीवक किसके दरबार से सम्बन्धित था– **बिम्बिसार**	UP UDA/LDA (Pre) 2006
■ बुद्ध, कौशाम्बी में आए थे– **उदयन के राज्य काल में**	UP UDA/LDA (Pre) 2010
■ तिब्बत में बौद्ध धर्म के सुधार में महती भूमिका निभाने वाले उपाध्याय अतीश किस विहार के प्रसिद्ध विद्वान थे– **विक्रमशिला बिहार के**	UP UDA/LDA Spl. - 2006
■ अर्द्धनारीश्वर मूर्ति में आधा शिव तथा आधा पार्वती प्रतीक है– **देव और उसकी शक्ति का योग**	UPPCS (Pre) G.S. 1997
■ गौतम बुद्ध ने प्रथम धार्मिक प्रवचन दिया था– **सारनाथ में**	UPPSC AE- 2007 Paper (I)

■ भारत में सर्वप्रथम मानवमूर्तियों की पूजा हुई थी– **बुद्ध की**	UPPSC AE-2008
■ भारतीय कला में बुद्ध के जीवन की वह घटना जिसका चित्रण ''मृग सहित चक्र'' द्वारा हुआ है– **प्रथम उपदेश**	UPPSC AE-2004
■ _____बौद्ध धर्म में भिक्षुणी बनने वाली प्रथम महिला थीं– **महाप्रजापति गौतमी**	SSC CGL (Tier-1)– 18/07/2023 (Shift-III) SSC CHSL 05/08/2021 (Shift-I)
■ बौद्ध काल का सबसे पुराना स्तूप है– **सांची स्तूप**	SSC MTS/Havaldar–04/09/2023 (Shift-II)
■ बुद्ध ने ..... में एक पीपल के पेड़ के नीचे कई दिनों तक तपस्या की, जहाँ उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ था– **बोध गया**	SSC CHSL (Tier-1) – 17/03/2023 (Shift-II)
■ ''संघ'' में रहने वाले बौद्ध भिक्षुओं के लिए बनाए गए नियम _____ नामक ग्रंथ में मिलते हैं– **विनयपिटक**	SSC MTS– 12/05/2023 (Shift-III)
■ प्रथम बौद्ध परिषद को ..... द्वारा संरक्षण प्रदान किया गया था– **अजातशत्रु**	SSC MTS 13/10/2021 (Shift-II)
■ अपने महापरिनिर्वाण से पहले बुद्ध ने अंतिम उपदेश ..... दिया था– **वैशाली में**	SSC GD 03/12/2021 (Shift-III)
■ गौतम बुद्ध की मृत्यु के तत्काल बाद ..... बौद्ध परिषद को आयोजित किया गया था– **पहली**	(SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 4.15 pm)
■ तीसरी बौद्ध संगीति ..... शहर में आयोजित की गयी थी– **पाटलिपुत्र में**	SSC CPO-SI – 13/12/2019 (Shift-II)
■ बौद्ध धर्म के अधिकांश ग्रंथ ..... भाषा में लिखे गए थे– **पालि**	SSC JE Civil - 29/01/2018 (Shift-I) SSC MTS 22/10/2021 (Shift-II)
■ बौद्ध धर्म महायान और हीनयान में ..... के शासनकाल के दौरान विभाजित हुआ था– **कनिष्क**	SSC JE Civil - 25/01/2018 (Shift-II)
■ 'स्तूप शब्द गौतम बुद्ध के जीवन की ..... घटना से संबंधित है– **मृत्यु**	SSC JE Civil - 23/01/2018 (Shift-II)
■ 'त्रिपिटक' धर्म ग्रन्थ का संबंध ..... धर्म से है– **बौद्ध**	SSC CGL (TIER-1) 06-09-2016, 10 am SSC MTS 13/08/2019 (Shift-I)
■ गौतम बुद्ध के उपदेश मुख्य रूप से ..... पाए जाते हैं– **सुत्त पिटक में**	SSC JE Civil – 23/03/2021 (Shift-I)
■ कनिष्क के शासनकाल के दौरान, ... को चौथे बौद्ध परिषद् के स्थल के लिए चुना गया था– **कश्मीर**	SSC JE Electrical -26/09/2019 (Shift-I)
■ भारत के ..... बौद्ध स्थल पर गौतम बुद्ध ने सबसे पहले धर्म का प्रचार किया था– **सारनाथ**	SSC MTS/Havaldar– 05/07/2022 (Shift-I)
■ पश्चिमी हिमालय में बौद्ध शिक्षा का सबसे बड़ा केंद्र की गोम्पा (Kye Gompa)..... राज्य/संघ राज्यक्षेत्र में स्थित है– **हिमाचल प्रदेश**	SSC CHSL (Tier-1) – 09/03/2023 (Shift-IV)
■ बुद्ध के जीवन की घटनाओं और उनसे सम्बद्ध स्थलों का सही सुमेलन है– **सूची-I** — **सूची-II** जन्मस्थान — लुम्बिनी ज्ञान की प्राप्ति — बोधगया प्रथम उपदेश — सारनाथ निर्वाण की प्राप्ति — कुशीनगर	UPP Com. Operator. (Grade-A), 2013

भगवत संप्रदाय एवं ब्राह्मण धर्म

■ एक पौराणिक कथा के अनुसार, वह देवता जिसने दशाश्वमेध घाट पर किये जाने वाले दशाश्वमेध यज्ञ के दौरान दस घोड़ों की बलि दी थी– **भगवान ब्रह्मा**	(UPP Constable 28.01.2019)
■ हिन्दू पौराणिक कथाओं के अनुसार, महाकाव्य रामायण में भगवान श्री राम अयोध्या के शासक थे, जो राजधानी थी– **कोशल की**	(UPP Constable 27.01.2019 Shift-I)
■ 'भगवद् गीता' मूलतः, महाभारत का अंश हैं– **भीष्म पर्व का**	UPPCS (J) 2023
■ नागार्जुनकोण्डा शहर की स्थापना की थी– **इक्ष्वाकु राजवंश ने**	UPPSC Unani Medical Officer 2018
■ मंडन मिश्र शिष्य थे– **कुमारिल भट्ट के**	UPPSC ACF/RFO 2021 Mains GS Paper-I
■ 'तुम्हारा अधिकार कर्म पर है, फल की प्राप्ति पर नहीं' यह कहा गया है– **गीता में**	UPPCS (Pre) G.S. 1992
■ मोक्ष के साधन के रूप में ज्ञान, कर्म तथा भक्ति को समान महत्त्व देता है– **भगवद्गीता**	UPPCS (Main) G.S. Ist 2005
■ भागवत धर्म से संबंधित प्राचीन अभिलेखीय साक्ष्य मिलता है– **हेलियोडोरस का बेसनगर अभिलेख**	UPPCS (M.) Spl. GS Ist 2008
■ आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार मठ स्थित है– **जोशीमठ, द्वारका, पुरी, श्रृंगेरी**	UPPCS (Pre) G.S. 2006

■ 'नयनार' थे– **शैव धर्मानुयायी**	UP RO/ARO (Pre) 2014, UP UDA/LDA (Pre) 2006
■ .....एक ब्रह्मांडीय नर्तक के रूप में हिन्दू भगवान शिव का चित्रण है, जो तांडवम नामक अपने दिव्य नृत्य का प्रदर्शन करते हैं– **नटराज**	(SSC 10+2 CHSL 30.01.17, 1.15 pm)
■ त्रिमूर्तियों में सृष्टिकर्ता देवता होने के बाद भी आजकल ..... देवता की पूजा बहुत कम की जाती है– **ब्रह्मा**	(SSC J.E. 03.03.17, 10:00 am)
■ प्रारंभिक भक्ति आन्दोलनों में से एक नयनारों के नेतृत्व में हुआ जो _____ के भक्त थे– **शिव**	(SSC J.E. 02.03.17, 2:45 pm)
■ पशुपति सम्प्रदाय के प्रवर्तक थे– **लकुलीश**	SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-I)
■ दक्षिण भारत के कुछ अंश में भगवान विष्णु को भगवान _____ के नाम से भी जाना जाता है– **वेंकटेश्वर**	(SSC 10+2 CHSL 27.01.17, 1.15 pm)
■ सही सुमेलन है– **सूची-I** **सूची-II** A. बल्लभाचार्य 1.पुष्टिमार्ग B. रामानुज 2. विशिष्टाद्वैत C. मध्वाचार्य 3. द्वैतवाद D. शंकर 4. अद्वैतवाद	UPPCS RO/ARO (M) 2017
■ सही सुमेलन है– **सूची-I** **सूची-II** **(देवता)** **(पहचान)** शिव त्रिशूल विष्णु चक्र गणेश रस्सी या फंदा सरस्वती वीणा	UPPCS (Pre) Exam 2022
■ सही सुमेलन है– **सूची-I** **सूची-II** **(दार्शनिक)** **(दर्शन)** रामानुज विशिष्टद्वैत माधवाचार्य द्वैत निम्बार्क द्वैताद्वैत वल्लभाचार्य शुद्धद्वैत	UPPCS (Pre) Exam 2022

मौर्य साम्राज्य

■ मौर्य राजवंश की स्थापना मगध में हुई थी जो वर्तमान में जाना जाता है– **बिहार के नाम से**	(UPP Constable 27.01.2019 Shift-I) SSC MTS Shift (III) 8/10/2021 RRB NTPC Shift (I) 2/4.2016
■ मौर्य राजवंश के अंतिम शासक थे– **बृहद्रथ**	UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-1)
■ वह व्यक्ति जिनका नाम 'देवानामपिय पियदस्सी' भी था– **मौर्य सम्राट अशोक**	UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-1
■ चंद्रगुप्त के पुत्र जिन्होंने 298–272 ईसा पूर्व के बीच शासन किया था और संपूर्ण भारत में साम्राज्य को बढ़ाया था– **बिन्दुसार**	(UPP Constable 27.01.2019 Shift-I)
■ नगरपालिका प्रशासन की एक विस्तृत प्रणाली की स्थापना के लिए सबसे प्रसिद्ध राजा थे– **चंद्रगुप्त मौर्य**	UPSSSC Supply Inspector Exam. Date:17/07/2022
■ मौर्यकालीन भारत के विवरण वाली 'इंडिका' के लेखक थे– **मेगस्थनीज**	UPSSSC PET 24/08/2021 Sift-II
■ मौर्य अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से निर्भर थी– **कृषि अर्थव्यवस्था पर**	UPSSSC Homeopathic Pharmacist 24/10/2019
■ अशोक के प्रधान शिलालेखों में सबसे बड़ा शिलालेख है– **13वां**	लोअर द्वितीय- 06-03-2016
■ अशोक के आक्रमण के दौरान कलिंग (पूर्वी प्रांत) की राजधानी थी– **तोशाली**	राजस्व लेखपाल - 13-09-2015 (Evening)
■ .....के बीच तक्षशिला शहर स्थित था– **सिंधु और झेलम**	UDA/LDA 29-11-2015
■ सम्राट अशोक का ..... शिलालेख कलिंग पर उसके विजय का उल्लेख करता है– **तेरहवाँ**	ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- II) RRB NTPC Shift (I) 5.4.2021 UPPSC (Pre) 4.5.2016 SSC CGL Tier-I Shift (III) 21.07.2023
■ अशोक का सिंहचतुर्मुख स्तंभ शीर्ष .....में एक स्तंभ पर था– **सारनाथ**	राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift - II)

■ चन्द्रगुप्त मौर्य के इस प्रसिद्ध राजनीतिक सलाहकार को जाना जाता था– **चाणक्य (विष्णुगुप्त) नाम से**	ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- II) RRB NTPC Shift (III) Stage Ist 28.03.2016 UPPCS AE - 2007 Paper-I
■ अशोक का वह शिलालेख जिसमें ब्राह्मी लिपि का प्रयोग नहीं किया गया था– **शहबाजगढ़ी**	राजस्व निरीक्षक - 17-07-2016 (Paper-I)
■ मौर्य कला का सर्वोत्तम प्रतिमान है– **स्तम्भ**	कनिष्ठ सहायक - 24-04-2016
■ अशोक के साम्राज्याधीन नहीं था– **कामरूप**	कनिष्ठ सहायक - 24-04-2016
■ वृहद साँची स्तूप ..... से संबंधित है– **मौर्य काल**	चकबन्दी लेखपाल - 08-11-2015 (Evening)
■ पाटलिपुत्र में स्थानांतरित होने से पहले ..... कई वर्षों तक मगध की राजधानी थी– **राजगृह**	RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-II)
■ लौरिया नन्दनगढ़ स्तंभ -----में स्थित है– **चंपारण**	RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-II)
■ मौर्य सम्राट ..... ने लगभग 287/268-231 ईसा पूर्व के अपने शासनकाल के दौरान शिलाओं और स्तंभों पर अपने लेख उत्कीर्ण करवाए थे– **अशोक**	RRB NTPC (Stage-2) 14/06/2022 (Shift-I)
■ सम्राट अशोक का पितामह था– **चंद्रगुप्त मौर्य**	RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-I)
■ ..... स्थल आधुनिक गुजरात में स्थित है, जहाँ अशोक के शिलालेख अवस्थित हैं– **गिरनार**	RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-II)
■ लगभग 260 ईसा पूर्व ..... मौर्य सम्राट ने कलिंग को जीतने के लिए सैन्य अभियान का नेतृत्व किया था– **अशोक**	RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-II)
■ अशोक के अधिकांश शिलालेख ..... भाषा में थे, जबकि उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिम में पाये गये शिलालेख आरम्भिक और यूनानी भाषा में थे– **प्राकृत**	RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-I)
■ मौर्य शासन के दौरान ..... प्रांत को कर्नाटक में सोने की खान का केंन्द्र माना जाता था– **सुवर्णगिरि**	RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 (Shift-I)
■ सेल्यूकस निकेटर नामक..... शासक द्वारा मेगस्थनीज नामक राजदूत को चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा गया था– **यूनानी**	RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-III)
■ मौर्य शासक अशोक द्वारा निर्मित सारनाथ सिंहचतुर्मुख ---- से बना था– **बलुआ पत्थर**	RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-III)
■ 326 ई.पू. में भारत पर आक्रमण करने के लिए सिकंदर ने सबसे पहले ..... नदी को पार किया था– **सिंधु**	RRB NTPC 30.01.2021 (Shift-II) Stage Ist
■ ..... मध्य प्रदेश में भगवान बुद्ध के सम्मान में सम्राट अशोक द्वारा बनवाया गया बौद्ध स्मारक है– **सांची स्तूप**	RRB NTPC 25.01.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ सांची के स्तूप का निर्माण ..... ने कराया था– **अशोक**	RRB NTPC 04.01.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ बौद्ध धर्म से संबंधित प्रख्यात भवन संरचना धम्मेख स्तूप का निर्माण मूलतः ..... वंश के शासनकाल के दौरान कराया गया था– **मौर्य**	RRB NTPC 11.03.2021 (Shift-II) Stage Ist
■ बौद्ध संरचना, 'धम्मेख स्तूप' कहाँ पर है– **सारनाथ**	RRB NTPC 07.04.2016 (Shift-II) Stage Ist
■ तृतीय बौद्ध परिषद का आयोजन ..... के द्वारा कराया गया था– **अशोक**	RRB NTPC 03.02.2021 (Shift-II) Stage Ist
■ अशोक, तर्कसिद्ध रूप से प्रारंभिक भारत के सबसे प्रसिद्ध शासक थे, जिसने कलिंग पर विजय प्राप्त की। वे ..... के पोते थे– **चंद्रगुप्त मौर्य**	RRB NTPC 13.03.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ ऐतिहासिक ग्रांड ट्रंक रोड का निर्माण कई शासकों द्वारा कराया गया था। मौर्य वंश के शासन काल के दौरान इसे ..... कहा जाता था– **उत्तरापथ**	RRB NTPC 11.03.2021 (Shift-II) Stage Ist
■ कलिंग युद्ध की हिंसा को देखकर प्रतिशोध लेने की सोच रखने वाले सम्राट अशोक का हृदय परिवर्तन हुआ और वे एक स्थिर-चित्त एवं शांतिप्रिय सम्राट और ..... के अनुयायी बन गए– **बौद्ध धर्म**	RRB NTPC 31.07.2021 (Shift-II) Stage Ist
■ चंद्रगुप्त मौर्य के गुरु ..... थे– **विष्णु गुप्त**	RRB NTPC 02.02.2021 (Shift-I) Stage Ist
■ उदयन ने मगध की राजधानी को ..... शहर से हटाकर पाटलिपुत्र में स्थानांतरित किया गया– **राजगीर**	RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-II) Stage Ist
■ ..... पुस्तक मेगस्थनीज ने लिखी है– **इंडिका**	RRB NTPC 18.01.2021 (Shift-II) Stage Ist